हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 304, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 6 मई, 2024 दिन सोमवार गाजीपुर/वाराणसी

नौसेना ने चमत्कार किया, चीन के साथ विवाद पर बोले राजनाथ सिंह- समाधान की उम्मीद

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना की तारीफ करते हुए कहा कि हाल के दिनों में नौसेना ने चमत्कार किया है। राजनाथ सिंह ने नौसेना के रणनीतिक समुद्री मार्गों पर विभिन्न देशों के व्यापारिक जहाजों की मदद के संबंध में ये बात कही। एक इंटरव्यू में राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना, सेना की थिएटर कमांड स्थापित करने, रक्षा निर्यात में बढ़ोतरी और चीन के साथ जारी विवाद पर बेबाकी से बात की।

'नौसेना ने चमत्कार किया'- पिछले कुछ महीनों में भारतीय नौसेना ने पश्चिमी हिंद महासागर, अदन की खाड़ी, अरब सागर और लाल सागर के आसपास रणनीतिक रूप से अहम जलमार्गों पर कई व्यापारिक जहाजों को हमलों से बचाया और उन्हें मदद पहुंचाई। बीते महीने ही हूती विद्रोहियों ने पनामा का झंडा लगे तेल टैंकर पर हमला किया था, लेकिन भारतीय नौसेना ने त्वरित कार्रवाई करते हुए टैंकर को बचाया। इस टैंकर पर 22 भारतीयों समेत 30 चालक दल के सदस्य मौजूद थे। इस पर राजनाथ सिंह ने कहा कि 'नौसेना ने चमत्कार किया है और इसके लिए वह बधाई की पात्र है।'

भारतीय नौसेना ने जनवरी से अब तक कई जहाजों पर समुद्री डाकुओं के हमलों के विफल किया है। इस्त्राइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद हूती विद्रोही लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय जल मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ है। ऐसे हालात में भारतीय नौसेना कई जहाजों को हमलों से बचा चुकी है और हिंद महासागर के साथ ही अरब सागर और अदन की खाड़ी में अहम खिलाड़ी बनकर उभरी है। भारतीय नौसेना द्वारा एक और विमानवाहक पोत की मांग की जा रही है। इस पर रक्षा मंत्री ने कहा कि नौसेना की मांग पर सकारात्मकता के साथ विचार किया जा रहा है। अभी नौसेना के पास दो विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत हैं, लेकिन चीन की बढ़ती चुनौती को देखते हुए नौसेना एक और विमानवाहक पोत की मांग कर रही है।

रक्षा निर्यात में हुई बढ़ोतरी- राजनाथ सिंह ने बताया कि भारत का सालाना रक्षा बजट 21 हजार करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि अगले पांच से छह वर्षों में इसे 50 हजार करोड़ रुपये के पार ले जाने का लक्ष्य है। अग्निपथ योजना को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा कि अभी तक इस योजना के संतोषजनक नतीजे मिले हैं और सरकार इस योजना में शामिल युवाओं के भविष्य के लिए कई और कदम उठा रही है।

चीन विवाद पर बोले राजनाथ सिंह-बातचीत चल रही- पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाएं लंबे समय से आमने-सामने हैं। दोनों देशों की सेनाओं के बीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। चीन से जारी इस विवाद पर राजनाथ सिंह ने कहा कि चीन के साथ बातचीत जारी है और ये सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बातचीत से विवाद का समाधान निकल जाएगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि 'अगर उन्हें (चीन) उम्मीद नहीं होती तो वे भी बात ही क्यों करते, उन्हें भी उम्मीद है।' भारत और चीन की सेनाएं बीते करीब चार वर्षों से पूर्वी लद्दाख के कई इलाकों में आमने-सामने हैं। साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों में गलवां में भीषण झड़प भी हो चुकी है, जिसमें भारत के 20 जवान बलिदान हो गए थे। चीन के भी कई सैनिक इस झड़प में मारे गए थे। भारत का कहना है कि जब तक सीमा पर शांति नहीं होगी, तब तक चीन से संबंध सामान्य नहीं हो सकते। सेना में थिएटर कमांड स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है। इस पर राजनाथ सिंह ने कहा कि सैन्य थिएटर कमांड स्थापित करने की दिशा में प्रगति हुई है। इसके तहत थल सेना, वायुसेना और नौसेनाओं के बीच आम सहमति बन रही है। इससे तीनों सेनाओं की क्षमताओं का एकीकरण होगा और इससे संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

गर्मी से नहीं मिल रही राहतः पहाड़ों पर भी 40 डिग्री के करीब पहुंचा पारा, मैदानी इलाकों में बरस रही आग

नई दिल्ली। देश में पड़ रही प्रचंड गर्मी से मैदान से लेकर पहाड़ तक तप रहे हैं। पहाड़ों पर पारा 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया, जबकि मैदानी इलाकों में तो यह 45 डिग्री को भी पार कर गया है। हालांकि, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो रही है, लेकिन उससे गर्मी से बहुत राहत नहीं मिल रही है। मौसम विभाग का कहना है कि दो दिन बाद मौसम का मिजाज बदलेगा और पंजाब, हरियाणा से लेकर 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में गरज के साथ कहीं हल्की तो कहीं मध्यम स्तर की बारिश होगी, अंधड़ चलेंगे और कहीं-कहीं ओलावृष्टि भी हो सकती है। इसके बाद कुछ दिनों के लिए तपती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग केंद्र, शिमला के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश में शनिवार को राजधानी शिमला समेत सभी क्षेत्रों में धूप खिली। प्रदेश के 10 क्षेत्रों में तापमान 30 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ। सिरमौर जिले के धौलाकुआं में सबसे अधिक 39.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। हालांकि, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 9 और 10 मई को राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी की संभावना है।

कांग्रेस ने नड्डा व अमित मालवीय के खिलाफ चुनाव आयोग से की शिकायत, कहा- वीडियो साझा कर धमकाया जा रहा

बंगलूरू। देशभर में चुनावी माहौल बना हुआ है। सभी राजनीतक दलों ने जीतने के लिए कमर कस ली है। अब कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भाजपा नेताओं के खिलाफ शिकायत दी है। उसने आरोप लगाया है कि भाजपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो पोस्ट कर कथित तौर पर अनुसूचित जाति और जनजाति के सदस्यों को एक खास उम्मीदवार को वोट नहीं देने के लए धमकाया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी ने यह शिकायत भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी अमित मालवीय, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के खिलाफ दर्ज कराई है। कांग्रेस के मीडिया प्रभारी रमेश बाबू ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को शिकायत दी। उन्होंने कहा, ' मैं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आधिकारिक अकाउंट से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो के बारे में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं, जिसका संचालन राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र के निर्देश पर आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय द्वारा किया जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस वीडियो का मकसद लोगों के बीच शत्रुता का भाव बढ़ाने, एससी, एसटी समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने का है। यह वीडियो आचार संहिता का उल्लंघन है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को इस तरह दिखाने का प्रयास किया जा रहा है कि वह एक धर्म विशेष का समर्थन कर रहे है और एससी, एसटी समुदाय का शोषण कर रहे है।' गौरतलब है, कर्नाटक भाजपा के आधिकारिक एक्स चैनल पर एक वीडियो साझा किया है। यह इलस्ट्रेशन वीडियो है, जिसमें राहुल गांधी और सिद्धारमैया को एनीमेटेड कैरेक्टर के तौर पर दिखाया गया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि चीड़िया के घोसले में एससी, एसटी और ओबीसी नाम का अंडा रखा है। लेकिन राहुल गांधी इसमे मुस्लिम नाम का अंडा रख देते हैं। मुस्लिम नाम के अंडे से जब चूजा निकलता है तो वह बाकी के तीन चूजों से काफी बड़ा नजर आता है। जिसके बाद वह सभी फंड को अकेले खा लेता है और बाकी के चूजों को घोसले से बाहर फेंक देता है। गौर करने वाली बात है कि कर्नाटक में मुस्लिम आरक्षण को लेकर भाजपा लगातार हमलावर है। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने मुस्लिमों को ओबीसी वर्ग में शामिल करके दूसरे वर्ग के आरक्षण को छीना है, यह संवैधानिक तौर पर गलत है। अगर भाजपा की सरकार आती है तो वह इसे खत्म करेगी।

'भारत पर आरोप लगाना उनकी राजनीतिक मजबूरी', निज्जर हत्याकांड में जयशंकर की कनाडा के पीएम ट्रूडो को खरी-खरी

भुवनेश्वर। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या पर कनाडा में जो कुछ भी हो रहा है वह उनकी आंतरिक राजनीति के कारण है। इस हत्याकांड का भारत से कोई लेना-देना नहीं है। जयशंकर ने जस्टिन ट्रुडो द्वारा भारत की आलोचना पर पूछे गए सवाल पर यह टिप्पणी की। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, खालिस्तान समर्थकों का एक वर्ग कनाडा के लोकतंत्र का इस्तेमाल कर वहां एक लॉबी बना रहा है। वह एक वोट बैंक बन गया है। कनाडा में सत्तारूढ़ पार्टी के पास संसद में बहुमत नहीं है और कुछ दल खालिस्तान समर्थक नेताओं पर निर्भर हैं। उन्होंने कहा, हमने उन्हें कई बार समझाया है कि वे ऐसे लोगों को वीजा, वैधता या राजनीतिक स्थान न दें जो भारत-कनाडा रिश्ते के लिए भी समस्या पैदा कर रहे हैं। लेकिन कनाडा ने कुछ नहीं किया। कनाडा पुलिस ने खालिस्तान समर्थक आतंकी हरदीप सिंह निज्जर के कथित तीनों हत्यारों की पहचान उजागर करते हुए उनकी तस्वीरें जारी की हैं। इनकी पहचान करण बरार (22),

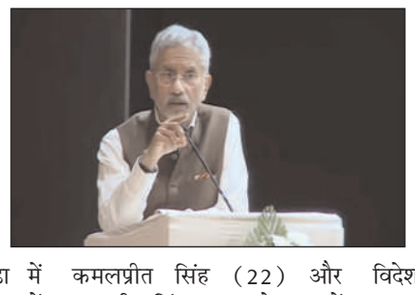

कमलप्रीत सिंह (22) और करणप्रीत सिंह (28) के रूप में हुई है। ये तीनों भारतीय नागरिक हैं और कनाडा के एडमंटन में रहते हैं। इनके खिलाफ हत्या और हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने इन्हें शुक्रवार को गिरफ्तार किया था। नेपाल में 100 रुपये के नोट पर भारतीय क्षेत्रों के साथ नया नक्शा छापने के फैसले पर जयशंकर ने कहा, काठमांडो का यह फैसला एकतरफा है। दोनों देशों में सीमा पर वार्ता जारी है। हमने नक्शा संबंधी रिपोर्ट देखी है। नेपाल यथास्थिति को नहीं बदल सकता है। जयशंकर ने कहा कि ओडिशा को ऐसी उजार्वान और प्रतिबद्ध सरकार की जरूरत है जो केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के साथ एक साझेदार की तरह काम करे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राकृतिक और मानव संसाधनों से समृद्ध राज्य विकास में पिछड़ रहा है। विदेश मंत्री ने कहा, ओडिशा के पास जितने संसाधन हैं, उतना विकास नहीं किया है। राज्य में विनिर्माण का ज्यादा विकास नहीं हुआ है। इसलिए इसे उजार्वान और प्रतिबद्ध सरकार की जरूरत है जो केंद्र में मोदी सरकार की सहयोगी के रूप में काम कर सके।

सवाई माधोपुर में अज्ञात वाहन ने कार को मारी टक्कर, छह की मौत; दर्शन के लिए रणथंभौर जा रहा था परिवार

सवाई माधोपुर। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर आज सुबह हुए सड़क हादसे में कार सवार 6 लोगों की मौत हो गई और दो बच्चे घायल हो गए। कार सवार रणथंभौर गणेश मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। इस दौरान किसी अज्ञात वाहन ने कार को टक्कर मार दी। सुबह आठ बजे बौंली थाना क्षेत्र में बनास पुल के पास हुआ यह भीषण हादसा हुआ। कार में सीकर का एक परिवार था जो गणेश जी के दर्शन करने रणथंभौर जा रहा था। इस दौरान दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे कार हादसे का शिकार हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा और शव को पोस्टमार्टम के मोर्चरी भेजा। थाना अधिकारी धर्मपाल ने बताया कि मृतकों में अनीता पति मनीष शर्मा, संतोष पत्नी कैलाश शर्मा, कैलाश पुत्र रामअवतार शर्मा, पूनम पत्नी सतीश शर्मा, मनीष पुत्र रामअवतार शर्मा और सतीश शर्मा शामिल हैं। मृतकों के नाम की आधिकारिक पुष्टि परिजनों के पहुंचने के बाद ही हो सकेगी। हादसे में घायल दो बच्चों को बौंली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जिन्हें बाद में जयपुर रेफर कर दिया गया है।

गुजरात में 35 मुस्लिम उम्मीदवार चुनावी मैदान में पर कांग्रेस से कोई नहीं; पार्टी ने खुद बताई वजह

गांधीनगर। लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। बढ़-चढ़कर प्रचार किया जा रहा। कोई जाति तो कोई धर्म के नाम पर वोट लेने की कोशिश में लगा हुआ है। वहीं, पीएम मोदी के गृह राज्य गुजरात में 35 मुस्लिम उम्मीदवार लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। हालांकि, दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस ने इस बार अपनी परंपरा को तोड़ते हुए इस समुदाय के एक शख्स को भी टिकट नहीं दिया। इस पूरे मामले पर कांग्रेस ने दलील दी। उसका कहना है कि भरूच लोकसभा सीट, जहां से वह हर बार एक मुस्लिम उम्मीदवार उतारती थी, इस बार विपक्षी गठबंधन के बीच सीट बंटवारे के समझौते के चलते आम आदमी पार्टी (आप) को दे दी गई है। राष्ट्रीय दलों में केवल बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने राज्य में सात मई को होने वाले चुनाव में गांधीनगर से एक मुस्लिम

उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। बसपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में पंचमहल से भी मुस्लिम उम्मीदवार उतारा था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, इस बार गुजरात की 26 में से 25 सीटों पर होने वाले लोकसभा चुनावों में 35 मुस्लिम उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि 2019 में इस समुदाय से 43 उम्मीदवार मैदान में थे। समुदाय के अधिकांश उम्मीदवार या तो निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं या कम चर्चित दलों ने उन्हें मैदान में उतारा है। गुजरात कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष वजीरखान पठान ने कहा, 'पार्टी राज्य में लोकसभा चुनावों में मुस्लिम समुदाय से कम से कम एक उम्मीदवार को मैदान में उतारती थी। पर इस बार यह इसलिए संभव नहीं हो सका क्योंकि यह सीट आप के खाते में गई है।' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने गुजरात में एक सीट से उम्मीदवार उतारने की पेशकश की थी लेकिन जीत की संभावना कम होने की वजह से समुदाय के सदस्यों ने इससे इनकार कर दिया।

पहलवान बजरंग पुनिया को नाडा ने अस्थायी रूप से किया निलंबित, डोप सैंपल नहीं देने के आरोप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने पहलवान बजरंग पुनिया को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया। इस कार्रवाई से बजरंग के पेरिस ओलंपिक में खेलने के सपने पर संकट के बादल छाए हैं। जानकारी के अनुसार बजरंग पुनिया 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के लिए अपना सैंपल देने में विफल रहे, जिसके बाद नाडा ने उन्हें भविष्य के किसी भी कार्यक्रम में भाग लेने से निलंबित करने का आदेश जारी किया। भाजपा के पूर्व सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वालों में पुनिया, ओलंपियन साक्षी मलिक और विनेश सहित अन्य शीर्ष पहलवानों की कतार में सबसे आगे थे। निलंबन के बाद टोक्यो ओलंपिक में देश को कांस्य पदक दिलाने वाले पुनिया को इस महीने के अंत में होने वाले चयन ट्रायल में भाग लेने से रोक दिए जाने की संभावना है। 65 किग्रा वर्ग में अभी तक किसी भी भारतीय ने ओलंपिक कोटा नहीं जीता है। निलंबन पत्र वर्ल्ड यूनाइटेड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) द्वारा मान्यता प्राप्त भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की भंग हो चुकी तदर्थ समिति को भेजा गया था। वहीं, बजरंग ने कुछ महीने पहले एक वीडियो जारी कर डोप कलेक्शन किट के एक्पायर होने का आरोप लगाया था। उन्होंने डोप नियंत्रण अधिकारी के निर्देश की अवहेलना की और दावा किया कि नाडा अधिकारियों ने अभी तक उनकी चिंताओं का समाधान नहीं किया है। डीसीओ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अपने समर्थकों से घिरे पुनिया ने लगातार अपना बयान दोहराया और डोप सैंपल देने से इनकार करते हुए तुरंत कार्यक्रम स्थल से चले गए। पुनिया को सहायक दस्तावेज और मूत्र का नमूना जमा करने से इनकार करने के लिए 7 मई तक लिखित स्पष्टीकरण पेश करने के लिए कहा गया था।

एससी ने हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक, नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी अधिकारी की जमानत रद्द की

नई दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी पुलिस अधिकारी को जमानत देने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी पुलिस अधिकारी को जेल भेजने का आदेश दिया है। दरअसल पीड़ित नाबालिग का चार लोगों ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया था। पीड़ित नाबालिग इसकी शिकायत करने पुलिस थाने पहुंची थी, जहां पुलिस अधिकारी ने भी उसका यौन शोषण किया।

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया हाईकोर्ट का फैसला- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले को न्यायसंगत मानने का कोई कारण नहीं है। आरोपी पुलिस थाने में एसएचओ के पद पर तैनात था और उसने अपने पद का दुरुपयोग किया और नाबालिग से दुष्कर्म का जघन्य अपराध किया। जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने पीड़ित की मां की याचिका पर यह आदेश दिया। आरोपी पुलिस अधिकारी को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीते साल 2 मार्च को जमानत पर रिहा करने का

आदेश दिया था।

पीड़िता की मां ने दायर की थी याचिका- पीठ ने कहा कि नाबालिग पीड़िता न्याय मांगने के लिए थाने गई थी, लेकिन वहां भी उसके साथ जघन्य अपराध हुआ। पीठ ने कहा कि आरोपी पुलिस अधिकारी को समर्पण करना होगा अगर वो ऐसा नहीं करता है तो राज्य सरकार जरूरी कदम उठाए और उसे न्यायिक हिरासत में ले। पीड़ित की मां की तरफ से वरिष्ठ वकील एचएस फुल्का पेश हुए। आरोपी के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं, पोक्सो एक्ट और अनुसूचित जाति और जनजातीय अधिनियम के तहत मामला दर्ज हुआ था।

'महिलाओं के खिलाफ अपराध बर्दाश्त नहीं', एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी पर बोलीं भाजपा नेता

बंगलूरू। कर्नाटक में पेन ड्राइव स्कैंडल के कारण राजनीति गरमाई हुई है। इस मामले में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना और पोते प्रज्वल रेवन्ना का नाम सामने आने के बाद से ही कर्नाटक की राजनीति में उथल पुथल मच गई। मामले की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की गई। हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना गिरफ्तारी के लिए लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया, जबकि उनके पिता एचडी रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया है। जेडीएस नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के बेटे एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी पर भाजपा एवं कांग्रेस के नेताओं ने प्रतिक्रिया दी है। केंद्रीय मंत्री और उत्तर बंगलूरू से भाजपा उम्मीदवार शोभा करंदलाजे ने कहा, "मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया गया है। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। यह मामला अब अदालत में जाएगा। यह मामला आगे तक जाएगा, क्योंकि महिलाओं के खिलाफ कोई भी अपराध हम बर्दाश्त नहीं करेंगे।" जेडीएस नेता की गिरफ्तारी पर कांग्रेस नेता सलीम अहमद ने कहा, "एचडी रेवन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया है। हमने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। फिलहाल जांच जारी है। प्रज्वल रेवन्ना विदेश में है। मुझे लगता है कि उन्हें नोटिस भेजा गया है। कार्रवाई की जाएगी।" कर्नाटक के डिप्टी सीएम ने कहा, "कानून अपना काम करेगा। हम चुनाव प्रचार में है, इसलिए मुझे नहीं मालूम कि उन्होंने क्या बोला। मैंने इसके बारे में नहीं पढ़ा है। मैंने सिर्फ अखबार देखा है, इसके अलावा मुझे कुछ नहीं मालूम।" कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी एचडी रेवन्ना की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, "एचडी रेवन्ना को अपहरण के एक मामले की शिकायत के तहत गिरफ्तार किया गया है और एसआईटी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है। मैं इससे ज्यादा खुलासा नहीं कर सकता, क्योंकि मुझे भी हर चीज के बारे में जानकारी नहीं है।

संपादकीय

गंगा-जमुनी संस्कृति पर चोट करते तल्खी के बोल

भारत की अपार विविधता इसकी मजबूत हकीकत है। कोई राजनीतिक दल, भले ही कितना ताकतवर और किसी विचारधारा विशेष से चालित हो, वह इसको एकांगी रंग में रंगने में सफल नहीं हो पाएगा। हमारी संस्कृति साझापन लिए है, लेकिन जोर साझेदारी के पहलू पर है न कि पालना में। यह चौरास्तों की संस्कृति है, जिसने हजारों सालों के दौरान विविध प्रभावों के सुमेल से वजूद पाया है। जहां भौगोलिक रूप से यह भूभाग थलीय काफिला-मार्गों का चौराहा है, जो मध्य एशिया से होकर आगे भूमध्य सागर तक जाते थे। वहीं इसके सुदूर दक्षिणी छोर के बंदरगाह हिंद महासागर के पूरबी और पश्चिमी छोरों को जोड़ने का काम करते रहे। जिस प्रकार भारतीय धर्म और राजनीतिक विचार, भाषाएं, कला और वास्तुकला का प्रवाह इस उप-महाद्वीप से निकल दूसरे देशों में फैला, ठीक इसी तरह उन मुल्कों का प्रभाव भी समस्त भारतवर्ष पर बना। नाना देशों से आई विविध खूबियां भारतीय संस्कृति और इसके लोगों के स्वभाव में रच-बस गईं और जन्मजात महानगरीय संस्कृति विरासत में मिलती गई, यह विशेषता भारतीयों को विश्वभर में सबसे अधिक अनुकूलनशील बनाती है। देखा जाए, हम संसार के मूल वैश्विक नागरिक हैं। जब भारत ने पिछले साल सितम्बर माह में जी-20 शिखर सम्मेलन आयोजित किया था तो इसका आदर्श वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम? था, जो हमारी इस खूबी को सबसे अच्छी तरह परिभाषित करता था। लेकिन किसी के लिए समस्त विश्व को गले लगाने की शुरूआत पहले अपने देश के लोगों को बांहों में भरने से होनी चाहिए। यह भी एक कारण है कि क्योंकर संविधान की पूर्व-प्रस्तावना में जितना अधिमान आजादी और समानता को दिया गया है उतना ही बंधुत्व को भी। भारत जैसे विविधता भरे मुल्क के लिए बंधुत्व की अहमियत खासतौर पर है। यह आपसी प्यार की भावना का निर्माण करता है जो विविध जातियों, प्रजातियों या सम्प्रदायों और उनकी जीवनशैली के बीच अंतर के प्रति एक-दूसरे को सहिष्णु बनाता है। यह बंधुत्व ही है जो हमारी राष्ट्रीयता की असल नींव है। यह साझा हित एवं साझा राष्ट्रीय मिशन का लक्ष्य पाने में संबद्धता एवं संलग्नता बनाता है। संविधान का स्वरूप बनाने वालों को पता था कि भारतीय राष्ट्रवाद का निर्माण इसके लोगों की बहुरंगी पहचान को मान्यता देकर होगा है न कि दबाकर। तथापि, अंतिम विश्लेषण में, वे पूरी तरह आश्वस्त न थे कि क्या भारतीय लोग अपनी अलग पहचान का संतुलन समान नागरिकता के अति महत्वपूर्ण सिद्धांत से सही ढंग से बैठा पाएंगे या नहीं। अपने अंतिम (मौजूदा) रूप में आते-आते और समय-समय पर हुए संशोधनों और विधायिका द्वारा पारित कानून धीरे-धीरे राज्यसत्ता को नागरिक अधिकारों की एवज पर बलपूर्वक मनमर्जी चलाने की ताकत से लैस करते गए। राज्यसत्ता किन्हीं पहचान रखने वालों की निरंकुशता चलने देने और अन्यों के मामले में दमन करने वाला पक्षपाती रुख रखने लगी, वह जो मौके के मुताबिक राजनीतिक हित स्वार्थ साधने में सबसे उपयुक्त हो। किन्हीं विशेष पहचान वालों पर राष्ट्रीय एकता बनाए रखने की आड़ में दमन तो वहीं दूसरों (अपने लोगों) को राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के नाम पर प्रोत्साहित करना और यहां तक कि वैधता देना। राज्यसत्ता ने मीडिया और सूचना चैनलों पर नियंत्रण और प्रभाव बना लिया ताकि कुछ सम्प्रदायों को खलनायक तो अपने वाले को श्रेष्ठ बनाकर पेश किया जा सके। ऐसा होने पर, राजनीतिक भड़काऊ भाषण वक्त की रणनीति का पूरक बन जाते हैं। इस प्रकार के नफरती बोल अक्सर ऊंचे उन्मादी सुर में चिल्ला-चिल्ला कर कहे जाते हैं ताकि अन्य सभी तार्किक मुद्दे डूब जाएं।

शांति प्रयासों से खुलती विकास की राहें

आजादी के दशकों बाद भी पूर्वोत्तर में उग्रवाद खत्म नहीं हुआ। कई हिंसक गुट खून-खराबे पर उतरते रहे और इस सुरम्य क्षेत्र की शांति को भंग करते रहे। सरकारें कोई ठोस कदम नहीं उठा पाईं और अशांति बनी रही। लेकिन इसके बाद केन्द्र सरकार की नीतियां बदलीं और कई सार्थक परिणाम देखने में आये। असम जैसे राज्य में, जहां घुसपैठियों के कारण हालत खराब रहे और लंबे समय से अशांति रही, वहां आशातीत सफलता मिली। केन्द्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर जनवरी, 2020 को दिल्ली में दशकों पुरानी बोडो समस्या के समाधान के लिए त्रिपक्षीय समझौता किया गया। इसमें भारत सरकार, असम सरकार और बोडो आंदोलन से जुड़े उग्रवादी समूहों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। यह समझौता इतना कारगर रहा कि लगभग 1500 सशस्त्र आंदोलनकारियों ने हथियार डाल दिये। यह एक अभूतपूर्व समझौता था। जिसके चलते असम शांत हो गया है और वहां प्रगति होती दिखाई दी। दिसंबर, 2023 में असम में उल्फा उग्रवादियों के साथ भी केन्द्र सरकार ने एक निर्णायक समझौता किया। जिसने भविष्य में शांति की गहरी उम्मीद जताई है। केंद्रीय गृहमंत्री ने इसमें व्यक्तिगत रुचि दिखाई और इस समझौते पर सरकार और उग्रवादी संगठन ने हस्ताक्षर किये। जिसके फलस्वरूप 700 से भी ज्यादा हथियारबंद युवाओं ने आत्मसमर्पण कर दिया। यह समझौता इस मायने में ऐतिहासिक है कि उल्फा उग्रवाद से राज्य को बहुत नुकसान हुआ, हत्याओं का दौर चला और बंदूकें गरजती रहीं। दोनों ओर से लोग मारे जाते रहे। लेकिन अब इस समझौते ने शांति का द्वार खोला है और असम की प्रगति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। केन्द्र सरकार वहां घुसपैठिया समस्या से निपटने के लिए कई तरह के कदम उठा रही है और उसमें काफी सफलता भी मिली है। इन सबसे राज्य में शांति आई है और राज्य सरकार के लिए कामकाज करना आसान हो गया है। पिछले साल मार्च में केन्द्रीय गृहमंत्री ने घोषणा की थी कि अफस्पा को एक जिले से हटा दिया गया है और अब सशस्त्र बलों को उस इलाके में अब खुली छूट नहीं है। यानी कि वे भी किसी भी तरह की हिंसात्मक घटना के लिए जिम्मेदार होंगे। पहले उन पर मुकदमे वगैरह नहीं चलाए जा सकते थे। असम में दो और समझौते हुए। एक था असम-मेघालय सीमा समझौता और दूसरा कार्बी-आंगलोंग समझौता। इन समझौतों ने राज्य में दीर्घकालीन शांति और समृद्धि के लिए एक मार्ग प्रशस्त किया है। असम के मध्य में स्थित, कार्बी आंगलोंग राज्य का सबसे बड़ा जिला है और नृजातीय तथा आदिवासी समूहों- कार्बी, डिमासा, बोडो, कुकी, हमार, तिवा, गारो, मान (ताई बोलने वाले), रेंगमा नागा संस्कृतियों का मिलन बिंदु है। इसकी विविधता ने विभिन्न संगठनों को भी जन्म और उग्रवाद को बढ़ावा दिया। जिसने इस क्षेत्र को विकसित नहीं होने दिया। कार्बी असम का एक प्रमुख जातीय समूह है, जो कई गुटों और इनके भागों से घिरा हुआ है। कार्बी आंगलोंग जिले के विद्रोही समूह जैसे पीपुल्स डेमोक्रेटिक काउंसिल ऑफ कार्बी लोंगरी (पीडीसीके), कार्बी लोंगरी एनसी हिल्स लिबरेशन फ्रंट (केएलएनएलएफ) वगैरह एक अलग राज्य बनाने की मांग कर रहे थे। यह एक महत्वपूर्ण समझौता है जो हिंसा को समाप्त करने में मदद करेगा। यहां पर स्थानीय जनता को कुछ विधायी अधिकार देने का भी प्रस्ताव है। केन्द्र सरकार ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि पूर्वोत्तर से धीरे-धीरे सशस्त्र बल सुरक्षा कानून को हटाती जायेगी क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में यहां की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। नगालैंड, जो कभी उग्रवाद का केन्द्र था, अब बेहद शांत हो गया है। कानून-व्यवस्था की स्थिति में वहां काफी सुधार हुआ है। नागा युवा अब राष्ट्र की मुख्य धारा में प्रवेश करते जा रहे हैं। पूर्वोत्तर के ज्यादातर बाशिंदे आदिवासी हैं और उनमें भी ज्यादातर लड़ाकू जातियों से हैं। वे दूसरों को अपने पर हावी होने देना नहीं चाहते और जरूरत पड़ने पर हिंसा करते हैं।

लोकसभा चुनावों में धराशायी विपक्ष के टूलकिट आधारित मुद्दे!

मृत्युंजय दीक्षित

स्वतंत्रता के बाद भारत में अभी तक जितने भी लोकसभा या विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं उनमें पहली बार कांग्रेस के नेतृत्व में बना गठबंधन हर दृष्टि से कमजोर नजर आ रहा है। जब से लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस व इंडी गठबंधन के नेताओं ने प्रचार आरम्भ किया है तभी से कांग्रेस नेता राहुल गांधी व उनके प्रवक्ता मीडिया एजेंसियों व टीवी चैनलो पर बैठकर केवल एक ही बहस कर रहे हैं कि अगर मोदी जी तीसरी बार 400 सीटों के साथ प्रधानमंत्री बन जाते हैं तो फिर भाजपा संविधान को फाड़ कर फेंक देगी, दोबारा चुनाव नहीं होंगे क्योंकि इनके पास कोई मुद्दा नहीं है मोदी जी को घेरने का। इसके अतिरिक्त मोदी जी और अमित शाह के एआई द्वारा बनाए गए डीप फेक वीडियो या फिर सम्पादित/ डॉक्टर्ड वीडियो को आधार बनाकर झूठ फैला रहे हैं।

पिछले दिनों अमित शाह के ऐसे ही एक वीडियो के साथ आरक्षण के सम्बन्ध में दुष्प्रचार किया गया हालांकि अब इस पर दिल्ली पुलिस ने कार्यवही आरम्भ कर दी है और कई लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस फर्जी वीडियो प्रकरण को को अपने पक्ष में मोड़कर मुद्दा बनाने मे कुछ हद तक सफलता प्राप्त कर ली है साथ ही वे संविधान और आरक्षण के नाम पर विगत 70 साल में पिछली सरकारों ने जो किया उसे भी बेनकाब कर रहे हैं। वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार आने के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खिलाफ आरक्षण विरोधी होने का दावा कर अभियान चलाया जा रहा है। बिहार में 2015 के विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार और लालू यादव के बीच गबठबंधन हुआ था तब इन दलों ने पांचजन्य साप्ताहिक में प्रकाशित एक साक्षात्कार के आधार पर संघ के खिलाफ विषवमन किया था। बसपा नेत्री मायावती ने एक पुस्तिका प्रकाशित करवा के घर घर तक बंटवाई थी और बताया गया था कि संघ किस प्रकार से आरक्षण विरोधी है।

अब समय बदल चुका है यह 2024 की बदली हुई भाजपा और संघ है जो दुष्प्रचार के प्रति पूरी तरह सतर्क और सशक्त है। इस बार कांग्रेस नेताओं का यह दांव जमीनी धरातल पर नहीं उतर पा रहा है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ हमेशा संविधान सम्मत आरक्षण का पक्षधर रहा है। संघ का मानना है कि जब तक सामाजिक भेदभाव रहेगा या आरक्षण देने के कारण बने रहेंगे तब तक आरक्षण जारी रहे।संघ प्रमुख ने कहा कि उन्होंने एक वीडियो के बारे में सुना है जिसमें कहा गया है कि संघ आरक्षण के खिलाफ है। संघ आरक्षण का कभी विरोधी नहीं रहा है किंतु यह उसके खिलाफ विमर्श स्थापित किया जा रहा है क्योंकि कांग्रेस को लगता है कि संघ व भाजपा को आरक्षण व संविधान विरोधी साबित कर वह चुनावी किला फतह कर सकती है। राहुल गांधी आजकल भाजपा को संविधान विरोधी साबित करने में दिन-रात एक किये हुए है जबकि वास्तविकता यह है कि अगर आज आम नागरिक अपने संविधान को जान रहा है, पढ़ रहा है और उसके अनुरूप आचरण करना चाह रहा है और उसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास ही हैं क्योंक अब हर वर्ष 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाया जा रहा है। भारतीय संविधान को अब वेबसाइट पर आसानी से पढ़ा जा सकता है। नए संसद भवन के उद्घाटन और सेंगोल स्थापना के अवसर पर सदन के सदस्यों को भी संविधान की मूल प्रति दी गई।

कांग्रेस जो आज संविधान- संविधान का राग अलाप रही है संविधान का सत्यानाश कांग्रेस ने ही किया था। श्रीमती इंदिरा गांधी ने अपनी सत्ता बचाने के लिए संविधान में मूल भूत परिवर्तन करके उसमें धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी जैसे शब्द जोड़कर उसकी आत्मा ही नष्ट कर दी, आपातकाल लगाकर अपनी विकृत तानाशाही मानसिकता का परिचय दिया और मनमर्जी से विपक्षी दलों की प्रदेश सरकारों को गिराया। कांग्रेस के कार्यकाल में संविधान एक परिवार का बंधक हो गया था व एक धर्म विशेष का तुष्टीकरण कर रहा था। इसी प्रकार कांग्रेस अयोध्या में प्रभु राम की जन्मभूमि और उस पर बन रहे भव्य मंदिर के प्रति भी नकारात्मक रही है। जन जन के आराध्य प्रभु राम को काल्पनिक कहने वाली कांग्रेस ने पहले तो मुद्दे को भटकाने, लटकाने, अटकाने के लिए जी जान लगा दी फिर भी असफल रहने पर अपने मुस्लिम तुष्टीकरण को मजबूती प्रदान कनने के लिए प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार किया। उसके बाद राहुल गांधी व विपक्ष के नेता जनसभाओं में बयान देने लगे कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में दलित आदिवासी होने के कारण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को नहीं बुलाया गया। यह भी बयान दिए जाने लग गये कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में केवल और केवल बड़े उद्योगपति और बड़े घरानो के लोग ही उपस्थित रहे आम जनता को कोई भाव नहीं दिया गया। पिछले दिनों राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अयोध्या में रामलला के दर्शन करके ने राहुल गांधी के इस झूठ का करारा उत्तर दे दिया। राम मंदिर के गर्भगृह में राष्ट्रपति की उपस्थिति ने कांग्रेस नेता के आरोप को बुरी तरह से धो डाला। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गर्भगृह में पहुंचकर रामलला का विधिवत पूजन किया। आराध्य को निकट से देखकर राष्ट्रपति बहुत भावुक दिखीं और उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अनुभव भी साझा किए।

इस बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बयान जारी कर राहुल गांधी के सभी आरोपों को मिथ्या बताया। महासचिव चंपत राय ने बताया कि राहुल गांधी को स्मरण कराना चाहूंगा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एवं पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दोनों को रामलला के मूल विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समाज से जुड़े हुए संत, महापुरुष गृहस्थजन और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में यश प्राप्त करने वाले भारत का गौरव बढ़ाने वाले लोगों को भी आमंत्रित किया गया था। मंदिर में सेवारत श्रमिक और अल्पसंख्यक समुदाय के लोग भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। राहुल गांधी अपनी जनसभाओं मे यह आरोप भी लगा रहे हैं कि वहां कोई गरीब, महिला, किसान युवा दर्शन नहीं करने गया अब यह भी झूठ हो गया है क्योंकि अब तक दो करोड़ से अधिक लोग राम मंदिर के दर्शन कर चुके हैं और इसमें समाज के सभी वर्गो की आम जनता ही शमिल है किंतु राहुल के पदचिन्हों पर चलने वाले कांग्रेस के प्रवक्ता अभी भी बाज नहीं आ रहे हैं और अयोध्या मंदिर व दर्शन कार्यक्रम को इवेंट बताकर उसका अपमान कर रहे है। इसके अलावा कांग्रेस और विपक्ष बार-बार ईवीएम मसहीनों पर ही संदेह पैदा कर रहा है किंतु ईवीएम यह दावा अब सुप्रीम कोर्ट में भी खारिज हो चुका है। पहले दो चरणों में कम मतदान का हवाला देकर विरोधी दलों ने सोशल मीडिया पर हल्ला मचाना प्रारम्भ कर दिया कि कम मतदान का मतलब है मोदी जी हार गये, हार गये। किंतु जब चार दिन बाद चुनाव आयोग ने मतदान प्रतिशत के अंतिम आंकड़े सार्वजनिक किये तो विपक्ष एक बार फिर ईवीएम और चुनाव आयोग पर संदेह करने लग गया। विपक्षी दलों के नेता सोशल मीडिया पर आकर ईवीएम-ईवीएम करने लगे और कहा कि चुनाव आयेग ने खेल कर दिया- खेल कर दिया। इसी राजनैतिक गहमा गहमी के बीच एस्ट्राजेनेका आक्सफोर्ड की कोरोना वैक्सीन कोविडशील्ड को लेकर विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि को खराब करने का अभियान प्रारम्भ कर दिया । इस आभासी मुद्दे को टूलकिट के नए टूल के रूप में सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्मो पर उठाया जा रहा है। कोविडशील्ड के प्रकरण में जनहित याचिका दायर करने वाले दलाल भी सक्रिय हो गये हैं और सुप्रीम कोर्ट पहुंच गये हैं जबकि वास्तविकता यह है कि कोविडशील्ड से नुकसान बहुत ही कम हुआ है जबकि लाभ अधिक हुआ है। कोविडशील्ड को लेकर उठ रहे सभी विवाद पूरी तरह से भ्रामक खबरो पर आधारित हैं।

भारत के विरुद्ध अमेरिकी एजेंसियों समेत पश्चिमी देशों की फितरत पर दमदार पलटवार की है जरूरत, अन्यथा नहीं चेतेंगे

कमलेश पांडे

भारत सरकार ने अमेरिका की एक प्रतिष्ठित एजेंसी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी आयोग (यूएससीआईआरएफ) पर भारत में जारी आम चुनाव 2024 की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। क्योंकि गत दिनों ही यूएससीआईआरएफ की तरफ से धार्मिक आजादी पर एक रिपोर्ट जारी की गई, जिसमें भारत में धार्मिक आजादी की स्थिति को चिंताजनक बताते हुए इसकी स्थिति लगातार खराब होने की बात कही गई है। यही वजह है कि भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यूएससीआईआरएफ को राजनीतिक एजेंडे वाला पक्षपाती संगठन करार दिया है। यही नहीं, उन्होंने सालाना स्तर पर जारी होने वाली इस रिपोर्ट को राजनीतिक प्रोपेगंडा कहा है। बकौल रणधीर जायसवाल, "यूएससीआईआरएफ को राजनीतिक एजेंडे वाले पक्षपाती संगठन के रूप में जाना जाता है। इसने वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में भारत के बारे में अपना दुष्प्रचार प्रकाशित करना जारी रखा है। हमें वास्तव में ऐसी उम्मीद भी नहीं है कि यह आयोग भारत की विविधतापूर्ण, बहुलतावादी और लोकतांत्रिक मूल भावना को समझने की कोशिश भी करेगा। उनके द्वारा दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए किए गए प्रयास कभी सफल नहीं होंगे।"

यूँ तो अमेरिका की चुनाव प्रक्रिया के दौरान वहां के राजनीतिक दल और राजनेता कभी चीन तो कभी रूस पर हस्तक्षेप करने का आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन अब भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने बजाप्ता प्रेस कांफ्रेंस करके अमेरिका की प्रतिष्ठित एजेंसी यूएससीआईआरएफ पर भारत में जारी चुनाव प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का जो आरोप लगाया है, उसके गहरे निहितार्थ हैं। क्योंकि यह पहला मौका है जब भारत ने किसी अमेरिकी एजेंसी पर लोकतांत्रिक तरीके से होने वाली चुनावी प्रक्रिया में अमेरिकी एजेंसी की तरफ से हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया है। संभवतया यह अमेरिकी एजेंसियों को लेकर भारत के बदले रवैये को भी बतलाता है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि अमेरिका भारत का एक अहम रणनीतिक साझीदार देश है। हाल के वर्षों में भारत के द्विपक्षीय रिश्तों में जितनी गहराई अमेरिका के साथ आई है, वैसा किसी भी दूसरे देश के साथ देखने को नहीं मिला है। बावजूद इसके अमेरिका या कुछ दूसरे पश्चिमी देशों की एजेंसियों की तरफ से भारत में मानवाधिकार, धार्मिक आजादी, प्रेस की स्वतंत्रता जैसे मुद्दे के जरिये किये जाने वाले हस्तक्षेप भारतीय नेतृत्व बर्दाश्त नहीं कर सकता है। इसलिए ऐसे हस्तक्षेप को लेकर सख्ती से जवाब देने की रणनीति भारत अपना चुका है, जो

बहुत बड़ी बात है। कहना न होगा कि लोकतंत्र, मानवाधिकार, मीडिया की स्वतंत्रता और भूख जैसे मुद्दों पर भारत को जानबूझकर निशाना बनाया जाता है। क्योंकि कुछ सरकारों की आदत होती है कि वह दूसरों से जुड़े हर मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हैं। इसलिए भारत सरकार ने भी सार्वजनिक तौर पर अपनी नाराजगी से अवगत करा दिया है। हमें इस बात पर फक्र होना चाहिए कि आज का भारत एक गाल पर तमाचा मारने पर दूसरा गाल आगे नहीं बढ़ाता। क्योंकि अगर अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देश यदि भारत विरोधी प्रतिक्रिया दे सकते हैं, तो भारत भी अमेरिका समेत अन्य पश्चिमी देशों के खिलाफ प्रतिक्रिया दे सकता है। उन्हें यह याद रखना चाहिए कि विदेश के मामले में दखल देने की यह आदत कभी कभी उल्टी भी पड़ सकती है।

हैरत की बात तो यह है कि यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में भारत में धार्मिक स्थिति को लेकर काफी विवादास्पद टिप्पणी की गई है। इसमें भारत को अफगानिस्तान, अजरबैजान, नाइजीरिया, वियतनाम जैसे देशों की श्रेणी में रखा गया है। वहीं, अमेरिकी विदेश मंत्रालय से आग्रह किया गया है कि भारत को भी धार्मिक आजादी को लेकर खास चिंता वाले देश (सीपीसी) की श्रेणी में रखा जाए। इस श्रेणी में रखे जाने वाले देशों को लेकर अमेरिकी प्रशासन का रवैया अलग होता है। साथ ही उन पर कई तरह के प्रतिबंध लगाने की व्यवस्था है। याद दिला दें कि यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट आने से कुछ दिन पहले ही अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भारत में मानवाधिकारों की स्थिति पर चिंता जताई थी। जिसपर पलटवार करते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक जवब दिया था कि अमेरिकी संस्थाएं भारत के बारे में अपनी खराब समझ का परिचय दे रही हैं। भारत के प्रति जितना दुराग्रह अमेरिकी विदेश मंत्रालय की रिपोर्ट में झलक रहा था, उतना ही यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट में भी। इससे स्पष्ट है कि पश्चिमी देशों यानी अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन आदि देशों का श्रेष्ठता बोध कभी खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा है। जबकि इन देशों की हकीकत अब दुनियावी देशों से छिपी हुई नहीं है। अमरीकी नस्लीय हिंसा और वहां के विश्वविद्यालयों में हो रहे पक्षपाती प्रदर्शनों के बारे में वह खुद ही समझ ले, तो उसके दूरगामी हित में होगा। सीधा सवाल है कि भारत के आंतरिक मामलों में अनावश्यक टिप्पणी करने वाले पश्चिमी देशों की संस्थाएं क्या दुनिया को यह बता पाएंगी कि अमेरिका में पुलिस विश्वविद्यालयों में धावा क्यों बोल रही है और ब्रिटेन अवैध प्रवासियों को पकड़-पकड़ कर रवांडा क्यों भेज रहा है? इसी तरह कनाडा में हड़ताली ट्रक ड्राइवरों से निपटने के लिए आपातकाल क्यों लगा दिया जाता है? इस बात को नहीं भुलाया जा सकता कि ये वही पश्चिमी संस्थाएं हैं जो कृषि कानून विरोधी उग्र आंदोलन और शाहीन बाग के अराजक धरने को एक तरह से न केवल अपना समर्थन दे रही थीं, बल्कि भारत को मानवाधिकारों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पाठ भी पढ़ा रही थीं। मेरा मानना है कि अमेरिका, कनाडा समेत यूरोपीय देश तब तक बाज नहीं आने वाले जब तक भारत भी इन देशों के मामलों में अपनी प्रतिक्रिया देना नहीं शुरू करता। वैसे भी भारत को केवल प्रतिक्रिया ही नहीं देनी चाहिए, बल्कि बाकायदा रिपोर्ट जारी कर यह बताना चाहिए कि इन देशों में क्या कुछ गड़बड़ हो रही है, क्योंकि किसी भी देश में सब कुछ ठीक नहीं रह सकता है। जब भारत ऐसा करेगा, तभी पश्चिमी देश चेतेंगे, अन्यथा कतई नहीं।

हिन्दू विवाह पर सर्वोच्च अदालत का स्वागतयोग्य फैसला

ललित गर्ग

देश की सर्वोच्च अदालत ने हिन्दू विवाह को लेकर बड़ा फैसला देकर न केवल हिन्दू विवाह के संस्कारों एवं पारंपरिक रिवाजों को पुष्ट किया है बल्कि उन्हें कानूनी दृष्टि से आवश्यक स्वीकार किया है। आज जबकि हिन्दू विवाह की पवित्रता एवं परम्परा तथाकथित आधुनिक जीवन एवं प्रभाव के कारण धुंधली होती जा रही है, पाश्चात्य संस्कृति की आंधी में हिन्दू विवाह की पवित्रता समाज में समय के साथ घटी है और उसमें सुधार एवं सुदृढ़ता की जरूरत है। जो लोग विवाह को मात्र एक पंजीकरण मानते हैं, उन्हें चेत जाना चाहिए। उन्हें सात फेरों का अर्थ समझना होगा। बिना सात फेरों, हिन्दू रीति-रिवाजों एवं वैवाहिक आयोजनों के कोर्ट की दृष्टि में भी विवाह मान्य नहीं होगा। हिंदू विवाह पर कोर्ट का ताजा फैसला न केवल स्वागतयोग्य है बल्कि इसके दूरगामी परिणाम सुखद होंगे। इससे हिन्दू संस्कृति एवं संस्कारों को बल मिलेगा। पारिवारिक-संस्था को मजबूती मिलेगी।

हिंदू विवाह से जुड़ा यह फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शादी ह्यगाने और डांसह्न, ह्यशराब पीने और खानेह्न का आयोजन या अनुचित दबाव डालकर दहेज और गिफ्ट्स की मांग करने का मौका नहीं है। विवाह कमर्शियल ट्रांजैक्शन नहीं है। यह एक गंभीर बुनियादी सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयोजन है, जिसे एक पुरुष और एक महिला के बीच संबंध बनाने के लिए मनाया जाता है, जो भविष्य में एक अच्छे परिवार के लिए पति और पत्नी का दर्जा प्राप्त करते हैं। यह भारतीय हिन्दू समाज-व्यवस्था की एक बुनियादी इकाई एवं मजबूत सांस्कृतिक एवं पारिवारिक आयाम है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि बिना सात फेरों के हिन्दू विवाह को मान्यता नहीं मिल सकती है अर्थात शादी के लिए हिन्दू विवाह अधिनियम में जो नियम और प्रावधान बनाए गए हैं उसका पालन करना होगा। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है। अधिनियम के अनुसार, एक हिंदू विवाह किसी भी पक्ष के पारंपरिक संस्कारों और समारोहों के अनुसार संपन्न किया जाएगा। समारोहों में सप्तपदी (दूल्हा और दुल्हन द्वारा पवित्र अग्नि के चारों ओर संयुक्त रूप से सात कदम उठाना) शामिल है, और जब वे सातवां चरण एक साथ लेते हैं तो विवाह पूर्ण और बाध्यकारी हो जाता है। कुल मिलाकर हिन्दू विवाह एक संस्था है, संस्कार है और विवाह कोई व्यावसायिक लेन-देन नहीं है।

कोर्ट ने जोर दिया है कि हिंदू विवाह की वैधता के लिए सप्तपदी (पवित्र अग्नि के चारों ओर सात फेरे) जैसे उचित संस्कार और उससे जुड़े समारोह जरूरी है। विवाद की स्थिति में समारोह के प्रमाण पेश करना जरूरी है। कोर्ट की सात फेरों और उससे जुड़े समारोह का मूल्य समझाने की यह कोशिश हिन्दू विवाह को न केवल मजबूती प्रदान करेंगी बल्कि आधुनिकता की आंधी में धुंधलाते मूल्यों को नियंत्रित करने का काम करेगी। इसमें कोई शक नहीं कि विवाह संस्कार का मूल महत्व पहले की तुलना में कम हुआ है, अब विवाह बहुतों के लिए एक दिखावा, मजबूरी या समझौता भर रह गया है। न्यायमूर्ति बी नागरत्ना ने अपने प्रासंगिक एवं उपयोगी फैसले में बिल्कुल सही कहा है कि हिंदू विवाह एक संस्कार है, जिसे भारतीय समाज में एक महान मूल्य की संस्था के रूप में दर्जा दिया जाना चाहिए। पारंपरिक संस्कारों या सात फेरों जैसी रीतियों के बिना हुए विवाह को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 7 के अनुसार हिंदू विवाह नहीं माना जाएगा। इस वजह से कोर्ट ने युवा पुरुषों और महिलाओं से आग्रह किया हैं कि वो विवाह की संस्था में प्रवेश करने से पहले इसके बारे में गहराई से सोचें और भारतीय समाज में उक्त संस्था कितनी पवित्र है, इस पर विचार करें।

प्रश्न है कि हिन्दू विवाह को लेकर कोर्ट को जागरूक होने एवं हिन्दू संस्कारों को मजबूती देने की जरूरत क्यों पड़ी? हिन्दू विवाह से जुड़े संस्कारों एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों को लेकर अनेक मामले कोर्ट की चौखट पर आते रहे हैं, हर बार कोर्ट सजगता, दूरदर्शिता एवं विवेक से विवाह-संस्था से जुड़े मामलों पर अपना नजरिया प्रस्तुत करती रही है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने पिछले दिनों यह माना कि हिंदू विवाह अधिनियम के अनुसार, हिंदू विवाह को संपन्न करने के लिए कन्यादान का समारोह जरूरी नहीं है। उस फैसले में भी सप्तपदी के महत्व को दशार्या गया था। मध्यप्रदेश की एक परिवार अदालत के फैसले में महिला पक्ष को यह समझाया गया था कि सिंदूर लगाना एक विवाहित हिंदू महिला का धार्मिक कर्तव्य होता है। सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले में ऐसी ही समझाइश की कोशिश झलकती है। कुल मिलाकर, न्यायालय का संदेश यह है कि फिजूल के तमाशे-दिखावे से बचते हुए विवाह के मूल अर्थ को समझना चाहिए। हिंदू विवाह को लेकर अब ज्यादा स्पष्टता की जरूरत है और विशेषतः हिन्दू संस्कारों एवं संस्कृति को बल देने की भी। क्योंकि भारत में परिवार संस्था कायम है तो इसका कारण हिन्दू संस्कार एवं परम्पराएं ही हैं। इस तरह कोर्ट ने अपने फैसले में हिंदू विवाह अधिनियम 1955 के तहत हिंदू विवाह की कानूनी आवश्यकताओं और पवित्रता को स्पष्ट किया है।

हिन्दू विवाह एक आदर्श परम्परा एवं संस्कार है। हिंदू धर्म में विवाह को सोलह संस्कारों में से एक संस्कार माना गया है। विवाह = वि $ वाह, अतः इसका शाब्दिक अर्थ है - विशेष रूप से उत्तरदायित्व का वहन करना। पाणिग्रहण संस्कार को सामान्य रूप से हिंदू विवाह के नाम से जाना जाता है। अन्य धर्मों में विवाह पति और पत्नी के बीच एक प्रकार का करार होता है जिसे विशेष परिस्थितियों में तोड़ा भी जा सकता है परंतु हिंदू विवाह पति और पत्नी क बीच जन्म-जन्मांतरों का सम्बंध होता है जिसे किसी भी परिस्थिति में नहीं तोड़ा जा सकता। अग्नि के सात फेरे लेकर और ध्रूव तारा को साक्षी मान कर दो तन, मन तथा आत्मा एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं। यह दो परिवारों का भी मिलन है। हिंदू विवाह में पति और पत्नी के बीच शारीरिक संम्बंध से अधिक आत्मिक संम्बंध होता है और इस सम्बंध को अत्यंत पवित्र माना गया है।

हिन्दू विवाह का न केवल पारिवारिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है, बल्कि उसका गहन आध्यात्मिक महत्व भी है। हिंदू धर्म ने चार पुरुषार्थ (जीवन की चार बुनियादी खोज), यानी धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष निर्धारित किया है। विवाह संस्कार का उद्देश्य ह्यकामह्न के पुरुषार्थ को पूरा करना और फिर धीरे-धीरे ह्यमोक्षह्न की ओर बढ़ना है। एक पुरुष और महिला के जीवन में कई महत्वपूर्ण चीजें शादी से जुड़ी होती हैं; उदाहरण के लिए, पुरुष और महिला के बीच प्यार, उनका रिश्ता, संतान, उनके माता-पिता, उनके जीवन में विभिन्न सुखद घटनाएं, सामाजिक स्थिति और समृद्धि। हिंदू समाज में एक विवाहित महिला को अत्यंत सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। उसके माथे पर कुमकुम-सिन्दूर के साथ एक महिला की दृष्टि, उसके गले में एक मंगलसूत्र पहने हुए, हरी चूड़ियाँ, पैर के अंगूठे के छल्ले और छह या नौ-यार्ड साड़ी स्वचालित रूप से एक पर्यवेक्षक के मन में उसके लिए सम्मान उत्पन्न करता है। हिंदू विवाह के सात वचनों में से, कम से कम तीन ऐसे हैं, जहां जोडे अपने बुजुर्गों की देखभाल करने का वादा करते हैं। पांचवां वचन अपनी संतान पैदा करने और उसकी देखभाल करने का है।

हाल के वर्षों में, भारत में हिन्दू विवाह परम्परा एवं संस्कृति से अनेक विसंगतियां एवं विकृतियां जुड़ गयी है, डेटिंग संस्कृति की शुरूआत के साथ, लव-मेरिज का प्रचलन बढ़ा है। संभावित दूल्हा और दुल्हन अपने दम पर जीवनसाथी चुनना पसंद करते हैं। आज के रोमांटिक-रिश्ते वास्तव में विवाह नहीं हैं, बल्कि एक नई प्रथा है, जिसके विपरीत प्रभाव से परिवार-संस्था बिखरने लगी है। विवाह के साथ प्रीवेडिंग का प्रचलन भी अनेक विकृतियों का वाहक बना है, बड़े-बडे. भव्य आयोजन एवं होटल संस्कृति ने भी विवाह की पवित्रता को धुंधलाया है। आयोजनों में शराब एवं अन्य नशों का बड़ा प्रचलन भी दुर्घटनाओं का कारण बना है। जिनके कारण विवाह होने से पहले ही उसमें दरारें पड़ते हुए देखी गयी है।

शिक्षा के क्षेत्र में

नई राहें

आईएएस बनने का ऐसा जुनून कि 3 साल के मासूम बेटे से हो गई थी दूर-अनु कुमारी

कहते हैं इंसान को कुछ हासिल करने के लिए बहुत कुछ खोना पड़ता है। लेकिन अगर मंजिल पाने के लिए अपने जिगर के टुकड़े से दूर जान पड़े तो सोच कर भी दिल सिहर उठता है। लेकिन आज हम एक ऐसी ही IAS अफसर की कहानी बताने जा रहे हैं जिन्होंने अपनी मंजिल पाने के लिए अपने 3 साल के मासूम बेटे से पूरे 2 साल दूर रहना पड़ा था। लेकिन बेटे से दूर होने के गम व कुछ कर गुजरने की तमन्ना के बीच इस लड़की ने वो कर दिखाया था जो लोगों के लिए एक मिसाल बन गया। आज हम आपको UPSC के 2017 बैच में दूसरी रैंक हासिल करने वाली अनु कुमारी की।

केरल में पोस्टिड हैं

अनु कुमारी ने साल 2017 में संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) की परीक्षा पास की थी। हालांकि वे अपने पहले प्रयास में एक नंबर से IAS बनते-बनते रह गई थीं, लेकिन दूसरे प्रयास में उन्होंने देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया। अनु इस समय केरल कैडर में हैं और केरल में ही पोस्टिड हैं। 18 नवंबर 1986 को जन्मीं अनु हरियाणा प्रदेश के सोनीपत जिले की रहने वाली हैं और जाट परिवार से हैं। पिता का नाम बलजीत सिंह, मां का नाम संतरो देवी है। अनु की एक छोटी बहन और 2 भाई हैं।

नौकरी छोड़ UPSC क्रैक किया

अनु ने शुरुआती शिक्षा शिवा शिक्षा सदन सोनपत से पूरी की। दिल्ली यूनिवर्सिटी से फिजिक्स में BSC (ऑनर्स) की। इसके बाद IMT नागपुर से फाइनेंस और मार्केटिंग में MBA की। इसके बाद अनु ने मुंबई में ICICI बैंक में नौकरी की, जहां लगभग 9 साल काम किया। 2012 में अनु का शादी बिजनेसमैन वरुण दहिया से हुई। शादी के बाद वह गुरुग्राम में रहीं। साल 2016 में नौकरी छोड़कर UPSC क्लीयर करने का फैसला लिया। करीब 10 साल बाद अनु ने एग्जाम की तैयारी शुरू की।

बेटे को मां-बाप के पास छोड़ा

2016 में ही अनु ने पहली बार UPSC एग्जाम दिया। उस समय फॉर्म बड़े भाई ने बिना बताए भर दिया था। उन दिनों अनु का बेटा सिर्फ 4 साल का था, लेकिन अनु ने 2017 में फिर से एग्जाम देने का फैसला लिया। इसके लिए अनु ने अपने बेटे को मां-बाप के पास भेज दिया। खुद मौसी के यहां चली गई, जहां करीब डेढ़ साल जी तोड़ मेहनत की। UPSC क्लीयर करने का जुनून ऐसा था कि वह अपनी ममता को भूल गई थी। वे एग्जाम पास करने की ठान चुकी थी, क्योंकि इससे उनका और बेटे का भविष्य संवरता।

कोचिंग नहीं ली, टॉपिक बना प्रैक्टिस की

UPSC क्रैक करने के बाद पहले इंटरव्यू में अनु ने बताया कि नौकरी में पैकेज अच्छा था, लेकिन लोगों के लिए कुछ करना चाहती थी, इसलिए प्रशासनिक सेवा में आने का फैसला लिया। कोई कोचिंग नहीं ली। खुद पढ़ाई करके मुकाम हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करना नहीं छोड़ा। काफी हद तक सेल्फ स्टडी की। BSC की थी तो कई सब्जेक्ट की नॉलेज थी। स्पेशल टॉपिक बनाकर अभ्यास किया। ऑनलाइन स्टडी भी की। नोट्स बनाए, इसलिए रिवीजन में भी मुश्किल नहीं हुई और टारगेट अचीव हो गया।

स्टॉक मार्केट में भी बना सकते हैं शानदार करियर

शेयर मार्केट के तेजी से होते विस्तार ने इस क्षेत्र में करियर के नए अवसर पैदा किए हैं आजकर युवा शेयर मार्केट को जानने और समझने में लगे हैं, ताकि कम समय में अच्छा मुनाफा मिल सके। वहीं, कुछ लोग इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं। अब ज्यादातर लोग इसमें बड़े लेवल पर इनवेस्ट करने लगे हैं। इस सेक्टर में बहुत ग्रोथ है। ऐसे में युवा अपना करियर बनाकर

अच्छी कमाई कर सकते हैं।

अगर आप 12वीं या ग्रेजुएशन की पढ़ाई के बाद बेहतर करियर बनान चाहते हैं तो इस क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। यहां आपको शेयर मार्केट की पढ़ाई से संबंधित कुछ कोर्सेस के बारे में बता जानकारी दे रहे हैं। इनमें से किसी में भी दाखिला लेकर आप इस सेक्टर की बारीकियों को समझ पाएंगे, जो आगे चलकर आपको अपना बिजनेस या नौकरी में ग्रोथ करने में बेहद काम आएंगे।

इस क्वालिफिकेशन के साथ करें डिप्लोमा कोर्स

आप 12वीं या ग्रेजुएशन के बाद शेयर मार्केट से जुड़े कोर्सेस कर सकते हैं। डिग्री से ज्यादा इस क्षेत्र में आपकी दिलचस्पी मायने रखती है। देश में कई निजी संस्थान ऐसे कोर्सेस कराते हैं। इस कोर्स में आपको शेयर बाजार से जुड़ी सभी बेसिक चीजें, इन्क्लूजन थ्योरी, प्रैक्टिकल, फंडामेंटल और टेक्नीकल जानकारी दी जाती है।

आपकी मेहनत ही सफलता को दे सकती है नई उड़ान-पायलट मोहित तेवतिया

आपको याद होगा कि स्पाइसजेट पायलट मोहित तेवतिया अपनी फ्लाइट अनाउंसमेंट के चलते जमकर सुर्खियों में बने हुए थे। तब उनकी अनाउंसमेंट ने लोगों का दिल जीत लिया था। एक बार फिर मोहित तेवतिया सोशल मीडिया पर छाये हुए हैं। इस बार कोई फ्लाइट अनाउंसमेंट नहीं बल्कि उन नौजवानों के लिए हैं जो इस क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। आइये जानते हैं करियर को लेकर युवाओं को क्या संदेश दे रहे हैं।

क्या आप जानते हैं? इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार इंडियन एविऐशन इंडस्ट्री दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री हैं। जिसने एयर होस्टेस / कैबिन क्रू प्रोफेशन में नौकरियों को कई गुना बढ़ा दिया हैं। मोहित तेवतिया के अनुसार एविऐशन इंडस्ट्री के सबसे अहम हिस्सा एयर होस्टेस / कैबिन क्रू के बारे में। इनका काम पैसेंजर के प्लेन में चढ़ने से लेकर प्लेन से उतरने तक की सारी अरेंजमेंट्स को देखना होता है। मतलब यह कि पैसेंजर के कंफर्ट से लेकर वेलफेयर और सेफ्टी के साथ प्लेन के टेक ऑफ करने से पहले की सारी इमरजेंसी अरेंजमेंट्स को चेक करना एयर होस्टेस / कैबिन क्रू की जॉब रिस्पॉन्सबिलिटी होती है। कैबिन क्रू में एयर होस्टेस और फ्लाइट स्टीवर्ड शामिल होते हैं।

एलिजिबिलिटी

मोहित तेवतिया ने कहा एयर होस्टेस के लिए अप्लाई करने वाली फीमेल उम्मीदवार की उम्र 16 से 26 साल होने चाहिए। इसके अलावा हाइट 5'2 फुट से कम नहीं होनी चाहिए। जॉब के लिए अप्लाई करते समय उम्मीदवार अनमैरिड होनी चाहिए।

मेडिकली फिट

अट्रैक्टिव पर्सनालिटी के साथ ही मेडिकली फिट भी होनी चाहिए। साथ ही उसके पास किसी भी स्ट्रीम मे 10+2 या एविऐशन में अंडरग्रेजुएट डिग्री होना जरुरी है। एयर होस्टेस के कोर्स सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री लेवल पर करवाए जाते हैं। जिसकी औसतन फीस 50,000 से 1,50,000 तक हो सकती है।

इस तरह होगा सिलेक्शन ट्रेनिंग के लिए उम्मीदवार ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट या एयरलाइंस में ओपनिंग होने पर अप्लाई कर सकते हैं। यहां सिलेक्शन के बाद उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग की जाती हैं। यहां चुने गए उम्मीदवार एयरलाइंस की प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए एलिजिबल होते हैं। जहां उनकी आवाज, लैंग्वेज फ्लूएंसी, कम्युनिकेशन स्किल और पर्सनालिटी को परखा जाता है। इसमें चयनित उम्मीदवारों को छह महीने के लिए एयरलाइन एयर होस्टेस ट्रेनिंग ऑफर करता हैं।

सर्टिफिकेट या डिप्लोमा

केबिन क्रू मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट या डिप्लोमा प्रोग्राम करने के बाद, एयर होस्टेस कई जॉब प्रोफाइलों जैसे - केबिन क्रू सीनियर फ्लाइट अटेंडेंट, ग्राउण्ड स्टाफ, ट्रेनर, क्रू शेड्युलर, क्रू मैनेजर पर काम कर सकती हैं।

सैलरी

सैलरी की बात करें तो किसी भी केबिन क्रू की सैलरी बहुत सारे फैक्टर्स पर निर्भर करती है। इन सबके बावजूद इनकी औसतन सैलरी 4 लाख से 9 लाख रुपए सालाना होती है।

ये हैं टॉप क्षेत्र जहां मिल सकती हैं सर्वाधिक नौकरियां

भारत की अर्थव्यवस्था में हाल ही में हुए बदलावों के कारण भारत विश्व की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। 3.5 ट्रिलियन जीडीपी के साथ इस समय विश्व की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में भारत का नाम आ गया है। इसी तरह ग्रोथ होती रही तो 2025 तक भारत 5 ट्रिलियन जीडीपी इकोनॉमी बन सकता है। भारत की इस तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था को ये 5 क्षेत्र फॉर्मा और हेल्थकेयर, टेलीकम्युनिकेशन, नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग, मीडिया इंटरटेंनमेंट और ई कॉमर्स गति दे रहे हैं। अगर आप भी इन सेक्टर्स में शामिल होकर कम समय में आकर्षक पैकेज वाली जॉब हासिल करना चाहते हैं तो तो अपने कड़ी मेहनत से अपना शानदार करिअर बना सकते हैं।

ई कॉमर्स - देश में ई कॉमर्स सेक्टर पिछले 2-3 वर्षों में सबसे तेज ग्रो किया है। फ्लिपकार्ट, अमेजन जैसी कंपनियां रातों रात करोड़ों रुपये का टर्नओवर करने लगीं हैं। इतना ही नहीं ई कॉमर्स सेक्टर की कंपनियां वार्षिक रूप से 15-20 प्रतिशत बढ़ोत्तरी कर रहीं हैं। इसीलिए केंद्र सरकार भी डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया जैसे नवाचार लेकर आया है ताकि स्किल्ड युवाओं को इस जॉब ओरिएंटेड इंडस्ट्री का हिस्सा बनाने में मदद कर सके। लेकिन एक सर्वे के अनुसार 2022 में 50 प्रतिशत कर्मचारियों को स्किल्ड होने की जरूरत थी। अगर आप भी इस सेक्टर में अपना करिअर बनाना चाहते हैं तो सफलता के Digital Marketing Course की मदद ले सकते हैं।

टेली कम्युनिकेशन - ये सच है कि भारत में बीते 7 सालों में टेलीकम्युनिकेशन सेक्टर ने रिकॉर्ड ग्रोथ की है। 2022 में 69 करोड़ लोगों ने इंटरनेट का इस्तेमाल किया है। हजारों कंपनियों ने मोबाइल लांच किए हैं। 2जी से आगे बढ़कर आज लोग 5जी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने लगे हैं। मौजूदा समय में ये इंडस्ट्री कई लाख करोड़ की बन चुकी है। इस क्षेत्र में 40 लाख से ज्यादा नौकरियां क्रिएट हुई हैं।

फॉर्मा और हेल्थकेयर - देश में हेल्थकेयर सेक्टर में तेजी से सुधार हुये हैं लाखों लोगों के लिए नौकरियों का सृजन भी हुआ है। दवा क्षेत्र में हेल्थकेयर कर्मियों के साथ - साथ एचएआर, सेल्स, आईटी, ऑपरेशन्स सेक्टर में भी हजारों नौकरियां निकलीं हैं।

नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग (केपीओ) - केपीओ सेक्टर में देश हर महीने ग्रोथ कर रहा है। स्किल्ड वर्कफोर्स के बढ़ने से इस सेक्टर में तेजी से नौकरियां बढ़ी हैं। डाटा माइनिंग, टेक्निकल डाटा एक्सट्रैक्शन, डाटा मैनेजमेंट के क्षेत्र में लगातार नौकरियां निकल रहीं हैं। इस क्षेत्र में अनुभवी और फ्रेशर्स दोनों कैंडिडेट्स के लिए नौकरियां निकल रहीं हैं।

मीडिया एंड इंटरटेनमेंट - पीडब्ल्यूसी रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय मीडिया और मनोरंजन उद्योग में वार्षिक रूप से 10.55 प्रतिशत का उछाल आ रहा है। इस इंडस्ट्री में आए लॉ रिफॉर्म्स की वजह से भी नौकरियों में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। साथ ही हजारों की संख्या में खुली वेबसाइट्स भी इस सेक्टर में लाखों लोगों को नौकरियां दे रहीं हैं।

आचार संहिता लागू होने के बाद भी बनवा सकते हैं वोटर आईडी

देश में चुनाव को निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए चुनाव आयोग ने कुछ नियम-शर्तें तय की हैं। इन्हीं नियमों को आचार संहिता कहते है। एक बार जब राज्य में संहिता लागू हो जाती है तो कई कार्यों पर बैन लग जाता है। ऐसे में आज हम बतायेंगे कि आचार संहिता लागू होने के बाद वोटर आईडी कार्ड बनवा सकते हैं या नहीं। इसके अलावा अपना नाम कैसे जुड़वा सकते हैं। आइये जानते हैं।

5 राज्यों में होने हैं चुनाव

इस साल 5 राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, राजस्थान और मिजोरम में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में चुनाव आयोग ने वोटिंग लिस्ट जारी कर दी है। ऐसे में जिन्होंने वोटिंग लिस्ट में अब भी अपना नाम जुड़वाया नहीं है, वो ऑनलाइन या ऑफलाइन तरीके से लिस्ट में नाम ऐड करा सकते हैं. यह मौका आचार संहिता लागू होने के 10 दिन बाद तक होता है।

ऑनलाइन Add करें लिस्ट में अपना नाम

सबसे पहले वेबसाइट eci.nic.in पर जाएं.

यहां दिए ऑनलाइन वोटर रजिस्ट्रेशन ऑप्शन को चुनें। रजिस्ट्रेशन करने के लिए एक यूजर आईडी और पासवर्ड बनाएं।

पासपोर्ट साइज फोटो अपलोड करें।

एक्स्ट्रा डॉक्यूमेंट अपलोड करें, जैसे पता प्रमाण।

अगर आप ऑनलाइन डॉक्यूमेंट जमा करने में असमर्थ हैं, तो यह अनुरोध कर सकते हैं कि बूथ लेवल अधिकारी डॉक्यूमेंट लेने आपके घर आए, यह ऑप्शन दिया होता है।

ऑफलाइन प्रोसेस

इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट से रजिस्ट्रेशन फॉर्म डाउनलोड करें या ERO ऑफिस से भी ले सकते हैं। जरूरी जानकारी के साथ फॉर्म भरें।

मांगे गए डॉक्यूमेंट्स की फोटोकॉपी उसके साथ अटैच कर दें। अपने निर्वाचन क्षेत्र के बूथ लेवल ऑफिसर या मतदाता केंद्र पर अब फॉर्म भेज दें। इसके बाद लॉगइन कर लें. अब ईपीआईसी नंबर के जरिए आप वोटिंग लिस्ट नाम का स्टेटस चेक कर सकते हैं।

इस तरह आप भी मिलिट्री स्कूल में दिला सकते हैं बच्चे को दाखिला

सभी माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे स्कूल में एडमिशन दिलाना चाहते हैं जहां वे अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सकें और साथ ही ऐसा हुनर सीख सकें जिससे वे आगे चलकर बेहतर करियर का निर्माण कर सकें। इसके अलावा कुछ अविभावक ऐसे भी होते हैं जो अपने बच्चों को देश सेवा के लिए प्रेरित करना चाहते हैं और उनको राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में एडमिशन दिलाना चाहते हैं तो आपको बता दें कि इसके लिए एक प्रॉसेस को फॉलो करना होता है। आप यहां से मिलिट्री स्कूल में एडमिशन लेने की पूरी जानकारी हासिल कर सकते हैं।

सामान्य नागरिकों के लिए केवल 30 फीसदी सीटें आपको जानकारी के लिए बता दें कि राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल में 70 प्रतिशत सीटें सेना में काम करने वाले या काम कर चुके सैनिकों के लिए आरक्षित होती हैं। इसके बाद बची हुई 30 प्रतिशत सीटों पर सामान्य नागरिकों के बच्चों को प्रवेश दिया जाता है।

एंट्रेस टेस्ट

इन 30 प्रतिशत सीटों पर स्टूडेंट्स को प्रवेश एंट्रेस टेस्ट के माध्यम से दिया जाता है। एंट्रेस टेस्ट कक्षा 6वीं और 9वीं में प्रवेश के लिए दिया जाता है। कक्षा 11वीं में छात्रों को प्रवेश कक्षा 10वीं में किये गए प्रदर्शन के आधार पर दिया जाता है।

आयु सीमा

मिलिट्री स्कूल में प्रवेश के लिए आयु सीमा भी निर्धारित है। अगर आप अपने बच्चे को कक्षा छठवीं में प्रवेश दिलाना चाहते हैं तो उसकी उम्र 10 से 12 वर्ष के बीच होनी चाहिए। इसके अलावा कक्षा 9 में एडमिशन दिलाने के समय छात्र की उम्र 13 से 15 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

शैक्षिक योग्यता

अगर आप अपने बच्चे को 6th में दाखिला दिलाना चाहते हैं तो छात्र का कक्षा 5वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसके अलावा 9वीं में प्रवेश के लिए स्टूडेंट का 8वीं उत्तीर्ण और 11वीं में प्रवेश के लिए कक्षा 10वीं उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

GENERAL KNOWLEDGE

-क्या आप जानते हैं कि भारत का नेशनल हैरिटेज पशु कौन सा है?

उत्तर- भारत का नेशनल हैरिटेज पशु हाथी है।

-बताएं किस फल को खाने से दांत साफ हो जाते हैं?

उत्तर- पपीते ही वो फल है, जिसे खाने से लोगों के दांत साफ हो जाते हैं।

- गरबा भारत के किस राज्य का सबसे प्रसिद्ध लोकनृत्य है?

उत्तर- दरअसल, गरबा भारत के गुजरात राज्य का सबसे प्रसिद्ध लोकनृत्य है।

- किस फल में सबसे ज्यादा पानी पाया जाता है?

उत्तर- नारियल में सबसे ज्यादा पाया जाता है।

- गाय का सबसे पसंदीदा रंग कौन सा है?

उत्तर- गाय का सबसे पसंदीदा रंग हरा है।

- दुनिया की सबसे ऊंची इमारत कौन सी है?

उत्तर- दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा है।

- कौन सा जीव है जो अपने जीभ से नहीं बल्कि अपने पैरों से स्वाद लेता है?

उत्तर- तितली जीभ से नहीं बल्कि अपने पैरों से स्वाद लेती है।

- बालों में क्या लगाने से डेंड्रफ खत्म हो जाता है?

उत्तर- बालों में दही लगाने से डेंड्रफ खत्म हो जाता है।

- बताएं आखिर दुनिया में ऐसी कौन सी नदी है, जिसका पानी हमेशा गर्म रहता है?

उत्तर- दरअसल, नील नदी ही वो नदी है, जिसका पानी हमेशा गर्म रहता है।

- क्या आप बता सकते हैं कि आखिर एक बिल्ली का जीवनकाल कितने वर्षों का होता है?

उत्तर- बता दें कि एक बिल्ली का जीवनकाल करीब 15 वर्षों का होता है।

- बताएं भारत का सबसे बड़ा पागल खाना कहां स्थित है?

उत्तर- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भारत का सबसे बड़ा पागल खाना आगरा में स्थित है।

- खाली पेट नींबू और अदरक का पानी पीने से क्या होता है?

उत्तर- अदरक और नींबू इम्यूनिटी को बूस्ट कर सकता है।

- काली चाय में नींबू मिलाकर पीने से क्या होता है?

उत्तर- चाय से ताजगी मिलती है। नींबू से विटामिन सी मिल जाता है।

- अदरक खाने से कौन सी बीमारी ठीक होती है?

उत्तर- अदरक पाचन से जुड़ी दिक्कतों जैसे कब्ज, पेट में गैस, एसिडिटी और उल्टी आने की दिक्कत से छुटकारा दिलाता है।

- बताएं आखिर किस जानवर की संख्या भारत में सबसे ज्यादा है?

उत्तर- भारत में मछलियों की संख्या सबसे ज्यादा है।

- किस पक्षी को रात के समय बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता है?

उत्तर- वो पक्षी मुर्गा है, जिसे रात के समय बिल्कुल भी दिखाई नहीं देता है।

संक्षिप्त खबरें

इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन, 14 की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप में बाढ़ और भूस्खलन के कारण 14 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय बचाव एजेंसी के प्रमुख मेक्सियनस बेकाबेल ने बताया कि दक्षिण सुलावेसी प्रांत के लुवु जिले में बृहस्पतिवार से हो रही मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। बाढ़ से 13 उप-जिले प्रभावित हुए हैं। क्षेत्र में अधिकतर जगह पानी और कीचड़ नजर आ रहा है। बारिश के कारण 1 हजार से अधिक घर प्रभावित हुए हैं जिनमें से 42 तहस-नहस हो गए है। एक खोज और बचाव दल ने रबड़ की नौकाओं और अन्य वाहनों का उपयोग करके निवासियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

हैती में भारी बारिश के कारण भूस्खलन, 13 मरे

पोर्ट ऑ प्रिंस। उत्तरी हैती में दो दिन से जारी भारी बारिश के कारण 13 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हैती की नागरिक सुरक्षा एजेंसी के अनुसार अधिकतर लोगों की मौत तटीय शहर कैप-हैतीएन के दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र में भूस्खलन के कारण हुई। अधिकारियों ने बताया कि 2,200 से अधिक घरों में पानी भर गया और हौट-कैप नदी में पशुओं के बह जाने से लोगों को काफी नुकसान हुआ। बचावकर्मी उत्तरी हैती में सड़कें साफ कर रहे है। आने वाले दिनों में और बारिश होने की संभावना है।

नामीबिया में विमान दुर्घटना में तीन मरे

विंडहोक। नामीबिया की राजधानी विंडहोक में शुक्रवार रात पायनियर्स पार्क के आवासीय क्षेत्र में एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। नामीबियाई पुलिस बल के मुख्य निरीक्षक एलिफ़ास कुविंगा ने एक रिपोर्ट में कहा कि रखरखाव परीक्षण उड़ान के लिए दो पायलटों और एक मैकेनिक को ले जा रहा विमान आवासीय परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें सवार सभी तीन लोगों की मौत हो गई। कुविंगा ने कहा जांच पूरी होने के बाद एक व्यापक रिपोर्ट जारी की जाएगी।

मसूरी : कार दुर्घटना में पांच लोगों की मौत

देहरादून। उत्तराखंड के मसूरी में शनिवार तड़के एक कार के सड़क से नीचे गिर जाने की घटना में एक महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य घायल हो गया। एक अधिकारी ने बताया, मसूरी में झड़ीपानी के पास कार करीब 60 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर गिर गई। चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि हादसे में गंभीर रूप से घायल दो महिलाओं में से एक ने नजदीकी अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दमकल विभाग ने कहा, दूसरी घायल महिला नयनश्री (24) का अब भी इलाज किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने हादसे में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया है।

एअर इंडिया ने सामान की क्षमता 15 किग्रा की

नई दिल्ली। घाटे में चल रही एअर इंडिया ने घरेलू उड़ानों पर न्यूनतम किराए वाली श्रेणी में एक यात्री के लिए केबिन में रखने के लिए सामान का न्यूनतम वजन 20 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया ने पिछले अगस्त में पेश मूल्य निर्धारण मॉडल में बदलाव किया है। एयरलाइन ने कहा कि सभी के लिए एक आकार का नजरिया अब आदर्श नहीं है।

ऑनसाइटगो ने पाइन लैब्स से मिलाया हाथ

नई दिल्ली। डिवाइस केयर कंपनी ऑनसाइटगो ने ईएमआई पेमेंट्स के अग्रणी प्लेटफॉर्म पाइन लैब्स के साथ रणनीतिक साझेदारी की है। इस साझेदारी के माध्यम से कंपनियों का उद्देश्य नए उपकरणों के लिए ऑनसाइटगो की एक्सटेंडेड वारंटी एवं डैमेज प्रोटेक्शन लेते समय उपभोक्ताओं को आसान ईएमआई का विकल्प प्रदान करना है। विभिन्न उपकरणों की खरीद पर तो आसान ईएमआई के कई विकल्प मिल जाते है लेकिन ईएमआई में प्रोटेक्शन प्लान को शामिल करने के विकल्प बहुत कम है। इस साझेदारी के माध्यम से दोनों कंपनियां ग्राहकों को एक ही ईएमआई में डिवाइस और प्रोटेक्शन प्लान प्रदान कर सकेंगी। ऑनसाइटगो के चीफ रेवेन्यू ऑफिसर गौरव अग्रवाल ने यह जानकारी दी।

किशोर साइबर क्राइम से निपटने को अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी

काठमांडू (भाषा)।

भारत के सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने किशोर न्याय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि प्रौद्योगिकी के त्वरित विकास की पृष्ठभूमि में नाबालिगों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय डिजिटल अपराधों से निपटने के लिए किशोर न्याय प्रणालियों को अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाकर एवं सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके सामंजस्य स्थापित करना होगा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ नेपाल के प्रधान न्यायाधीश (सीजेएन) बिश्वम्भर प्रसाद श्रेष्ठ के निमंत्रण पर नेपाल की तीन-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर यहां आए है।

किशोर न्याय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, 'किशोर न्याय पर चर्चा करते समय, हमें कानूनी विवादों में उलझे बच्चों की कमजोरियों और उनकी अनूठी जरूरतों को पहचानना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी न्याय प्रणालियां समाज में सहानुभूति, पुनर्वास को बढ़ावा दे और पुनः एकीकरण के अवसरों को अनुकूल हों।' उन्होंने कहा कि किशोर न्याय की बहुमुखी प्रकृति और समाज के विभिन्न आयामों के साथ इसके अंतरसंबंधों को समझना महत्वपूर्ण है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि प्रौद्योगिकी का विकास तेजी से हो रहा है और किशोर हैकिंग, साइबर क्षेत्र में किसी पर दबाव डालना, ऑनलाइन धोखाधड़ी और डिजिटल उत्पीड़न जैसे साइबर अपराधों में शामिल हो रहे है। डिजिटल प्लेटफार्म की गुमनामी और पहुंच प्रवेश की बाधाओं को कम करती है, जिससे युवा व्यक्ति अवैध गतिविधियों की ओर आकर्षित होते है। इसका तेजी से प्रसार किशोरों की ऑनलाइन खतरों के प्रति संवेदनशीलता को उजागर करता है। डिजिटल युग में युवाओं को शिक्षित और सुरक्षित करने के लिए सक्रिय उपायों की आवश्यकता है और डिजिटल साक्षरता, जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार तथा प्रभावी अभिभावक मार्गदर्शन पर जोर देना साइबर से संबंधित जोखिम को कम करने में महत्वपूर्ण घटक साबित होगा।

प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि किशोर न्याय प्रणालियों को अंतरराष्ट्रीय सहयोग तंत्र को बढ़ाकर और किशोरों से जुड़े डिजिटल अपराधों की अंतरराष्ट्रीय प्रकृति से निपटने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके सामंजस्य स्थापित करना चाहिए। इसमें प्रत्यर्पण और स्वदेश वापसी के लिए प्रोटोकॉल स्थापित करना, साथ ही कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सूचना साझा करना और सहयोग को सुविधाजनक बनाना शामिल है। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर, बाल संरक्षण नियमों में विशिष्ट प्रशिक्षण यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि किशोर न्याय प्रणाली में शामिल सभी हितधारकों के पास बच्चों के अधिकारों और कल्याण की रक्षा के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल है।

35 दिन से बाल्टीमोर बंदरगाह पर जहाज में फंसे हैं भारतीय नाविक

वॉशिंगटन (आईएएनएस)।

ब्रिज से 26 मार्च को जहाज टकराने के मामले की जांच जारी

अमेरिका के बाल्टीमोर बंदरगाह के पास मर्चेंट शिप के ब्रिज से टकराने की घटना के 35 दिनों बाद भी भारतीय नाविक जहाज में ही फंसे हैं। बाल्टीमोर में 26 मार्च की सुबह एक कंटेनर जहाज ब्रिज से टकरा गया था। इस दुर्घटना में ब्रिज पर काम कर रहे छह लोगों की मौत हो गई थी। तब से चालक दल के 20 भारतीय सदस्य जहाज पर ही हैं।

चालक दल का एक सदस्य घायल सदस्य का तट पर ही उपचार किया गया और वह अगले दिन जहाज पर लौट आया। यदि उस रात सब कुछ सही रहा होता तो वे सोमवार या मंगलवार तक कोलंबो में होते। फ्लूएंट कार्गो कंपनी का कहना है कि वह जमीन, हवा और समुद्र से ग्राहकों के लिए माल ढुलाई की योजना बना रही है। एक कंटेनर जहाज को बाल्टीमोर से कोलंबो पहुंचने में करीब 33 दिन और 21 घंटे लगेंगे। मार्च में जहाज ने स्कॉट ब्रिज के एक पिलर को टक्कर मार दी, जिससे वह गिर गया। यह 50 साल पुरानी संरचना थी। इस ब्रिज से हर दिन हजारों वाहन गुजरते थे। अमेरिकी एजेंसियों जांच कर रही हैं। टक्कर से पुल टूट गया और सभी मालवाहक जहाजों का मार्ग अवरुद्ध हो गया। चालक दल जहाज पर है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड और तटरक्षक बल के समुद्री जांच बोर्ड द्वारा चल रही अलग-अलग जांच के अलावा एफबीआई ने घटना की आपराधिक जांच शुरू की है।

इंदौर में कांग्रेस के 'डमी' उम्मीदवार की अपील खारिज

इंदौर (भाषा)।

सिंह का पर्चा पहले ही खारिज किया जा चुका है, इसलिए उन्हें चुनाव में भाग लेने की अनुमति देने का कोई सवाल ही नहीं उठता : चुनाव आयोग

कांग्रेस को इंदौर लोकसभा क्षेत्र में एक बार फिर झटका लगा है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने कांग्रेस के 'डमी' (वैकल्पिक) उम्मीदवार मोती सिंह की अपील खारिज कर दी है। अपील के जरिए सिंह ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ के 30 अप्रैल के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें कांग्रेस के चुनाव चिह्न हाथ के पंजे के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति की गुहार वाली उनकी याचिका नामंजूर कर दी गई थी। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एसए धर्माधिकारी और न्यायमूर्ति गजेंद्र सिंह ने एकल पीठ के फैसले को सही ठहराया और कांग्रेस के 'डमी' उम्मीदवार की दायर अपील को 'योग्यता और तथ्यों से रहित' बताते हुए खारिज कर दिया।

युगल पीठ ने सिंह की अपील पर शुक्रवार को सुनवाई करके अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था जिसे शनिवार को जाहिर किया गया। सिंह का नामांकन पत्र निर्वाचन अधिकारी द्वारा आठ दिन पहले खारिज किया जा चुका है, लेकिन उन्होंने इंदौर के कांग्रेस उम्मीदवार अक्षय कांति बम के पर्चा वापस लेने का हवाला देते हुए अदालत से गुहार की थी कि उन्हें पार्टी के चुनाव चिह्न के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। सिंह की ओर से दायर अपील में कहा गया था कि निर्वाचन अधिकारी ने उनका पर्चा दस्तावेजों की छानबीन के दौरान 26 अप्रैल को कथित रूप से त्रुटिपूर्ण तरीके से केवल इस आधार पर खारिज कर दिया था कि वह महज वैकल्पिक उम्मीदवार है, जबकि बम पार्टी के स्वीकृत प्रत्याशी है। अपील में कहा गया है कि चूंकि बम ने पर्चा वापस ले लिया है, इसलिए चुनाव चिह्न (आरक्षण एवं आवंटन आदेश) 1968 के तहत सिंह को कांग्रेस के चुनाव चिह्न पंजे के साथ चुनाव लड़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। उधर, निर्वाचन आयोग की ओर से कहा गया कि चूंकि सिंह का पर्चा पहले ही खारिज किया जा चुका है, इसलिए उन्हें चुनाव में भाग लेने की अनुमति देने का कोई सवाल ही नहीं उठता।

सिंह के वकील जयेश गुरनानी ने बताया कि मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के निर्णय को चुनौती देने के लिए शीर्ष अदालत में विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने के बारे में कानून के जानकारों से सलाह-मशविरा किया जा रहा है। बम ने इंदौर में कांग्रेस को जोरदार झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को पर्चा वापस ले लिया और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए थे। इसके साथ ही इस सीट पर अब कांग्रेस की चुनावी चुनौती समाप्त हो गई जहां वह पिछले 35 साल से जीत की बाट जोह रही है।

सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाया

न्यूनतम निर्यात मूल्य 550 डॉलर प्रति टन

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्र ने पिछले साल दिसंबर में उत्पादन में गिरावट की चिंताओं के बीच खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने निर्यात पर लगाया था प्रतिबंध

देश में चल रहे लोकसभा चुनावों के बीच सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया, लेकिन साथ ही न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन तय किया है। इस फैसले से महाराष्ट्र सहित प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में किसानों के एक बड़े वर्ग की आय बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सरकार ने न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन (लगभग 46 रुपए प्रति किलोग्राम) और साथ ही 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया है। शुल्क को ध्यान में रखते हुए, निर्यात खेप को 770 डॉलर प्रति टन (लगभग 64 रुपए प्रति किलोग्राम) से नीचे भेजने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

केंद्र ने पिछले साल आठ दिसंबर को उत्पादन में गिरावट की चिंताओं के बीच खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले 4-5 साल के दौरान देश से सालाना 17 लाख से 25 लाख टन प्याज का निर्यात हुआ। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि प्रतिबंध हटने से खुदरा बाजारों में कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी।

कीमतें स्थिर रहेंगी। अगर कोई बढ़ोतरी होती है, तो यह बहुत मामूली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं और किसानों, दोनों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा, प्याज की निर्यात नीति को संशोधित कर तत्काल प्रभाव से और अगले आदेश तक 550 डॉलर प्रति टन के एमईपी के तहत प्रतिबंध से मुक्त किया गया है। सरकार ने शुक्रवार रात प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क लगाया था। यह निर्णय इस मायने में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह महाराष्ट्र के नासिक, अहमदनगर और सोलापुर जैसे प्रमुख प्याज क्षेत्रों में महत्वपूर्ण लोकसभा चुनावों से पहले आया है। इस क्षेत्र के किसान प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहे थे, ताकि उन्हें अपनी ऊपज का बेहतर मूल्य मिल सके। इस निर्णय के पीछे का तर्क बताते हुए, खरे ने कहा, प्याज निर्यात पर प्रतिबंध शनिवार से हटा दिया गया है क्योंकि आपूर्ति की स्थिति आरामदायक है और मंडियों के साथ ही खुदरा बाजारों में कीमतें स्थिर है। अप्रैल में नासिक की लासलगांव मंडी में प्याज की मॉडल कीमत 15 रुपए प्रति किलोग्राम थी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय रबी सत्र में 191 लाख टन प्याज उत्पादन के नवीनतम अनुमान पर विचार करने के बाद लिया गया है। यह निर्णय लेते समय वैश्विक बाजारों में प्याज की उपलब्धता और कीमतों को भी ध्यान में रखा गया। सचिव ने कहा कि प्याज की मासिक घरेलू मांग लगभग 17 लाख टन है।

गाजा पट्टी में इस्राइल महिलाओं को बना रहा निशाना : UNRWA

गाजा(वार्ता)। फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने कहा है कि इस्राइल गाजा पट्टी में महिलाओं को निशाना बना रहा है।

यूएनआरडब्ल्यूए ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा कि गाजा पर जारी इस्राइली हमलों में 10 हजार से अधिक महिलाएं मारी जा चुकी हैं और 19 हजार अन्य घायल हुई हैं। गाजा में औसतन 37 बच्चे हर दिन अपनी मां को खो देते हैं। एजेंसी ने कहा कि एन्क्लेव में 1 लाख 55 हजार से अधिक गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए रहने की स्थिति विशेष रूप से भयानक है, जिन्हें पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंचने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि गाजा पर इस्स्राइली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34,622 हो गई है और 77,867 से अधिक अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस्राइली बलों ने पिछले 24 घंटों के दौरान गाजा पट्टी में तीन घातक हमले किए जिसके कारण 26 लोग मारे गए और 51 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया। सात अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इस्राइली सीमा के माध्यम से हमास के हमले का जवाब देने के लिए इस्राइल गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला कर रहा है।

पाकिस्तान में आधिकारिक तौर पर आयोजित किया गया योग शिविर

इस्लामाबाद (भाषा)। प्राचीन भारतीय शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अभ्यास योग आधिकारिक तौर पर पड़ोसी देश पाकिस्तान में पहुंच गया है। इस्लामाबाद की कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) के आधिकारिक फेसबुक पेज के अनुसार, इस्लामाबाद मेट्रोपॉलिटन कॉरपोरेशन ने राजधानी के एफ-9 पार्क में मुफ्त योग कक्षाएं शुरू की है। सीडीए ने कहा, अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देते हुए कई लोग पहले ही इनमें शामिल हो चुके है। सीडीए ने योग शिविर में भाग लेने वाले लोगों की तस्वीरें भी साझा की। संयुक्त राष्ट्र ने 11 दिसंबर 2014 को यह ऐलान किया था कि हर साल 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

हमास इस्राइली बंधकों को रिहा करने पर सहमत

तेल अवीव (आईएएनएस)।

हमास इस्राइल की ओर से प्रस्तावित 33 के बजाय अपनी हिरासत में मौजूद 20 इस्राइली बंधकों को रिहा करने पर सहमत हो गया है। खलील अल-हायवा के नेतृत्व में हमास नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल इस्राइल के साथ युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के संबंध में अप्रत्यक्ष मध्यस्थता वार्ता के नए दौर के लिए मिस्र की राजधानी काहिरा पहुंच गया है। तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में हमास के नेताओं में जहीर जबरीन और गाजी हमद भी शामिल हैं।

इस्राइल रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक हमास ने कतर और मिस्र के मध्यस्थों को सूचित किया है कि वह महिलाओं, बुजुर्गों और बीमारों सहित 20 बंधकों को रिहा कर सकता है। इस्राइल ने पहले इस्राइली जेलों में बंद लगभग 600 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले में हमास की हिरासत में मौजूद अपने 33 बंधकों को रिहा करने का प्रस्ताव रखा था। सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के निदेशक विलियम बर्न्स काहिरा पहुंच गए हैं और अप्रत्यक्ष मध्यस्थता वार्ता की निगरानी करेंगे। मोसाद प्रमुख डेविड बार्नियां के नेतृत्व में इस्राइली प्रतिनिधिमंडल पहले से ही काहिरा में है। सूत्रों के मुताबिक, हमास ने 40 दिनों के लिए युद्धविराम और बाद में गाजा पट्टी से इस्राइली सेना की स्थाई वापसी की भी मांग की है। हालांकि, प्रधानमंत्री बेंजामन नेतन्याहू ने मध्यस्थों को पहले ही सूचित कर दिया है कि यदि मध्यस्थता वार्ता आगे नहीं बढ़ रही है तो सेना अगले शुक्रवार तक गाजा पट्टी के राफा क्षेत्र पर आक्रमण करेगी। प्रधानमंत्री कार्यालय के सूत्रों ने बताया, नेतन्याहू ने अमेरिका से कहा था कि इस्राइल के पास अपने बंधकों को छुड़ाने के साथ-साथ हमास को हराने के लिए राफा में सैन्य अभियान के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

युद्धविराम पर बनी सहमति : मिस्र मीडिया

काहिरा (आईएएनएस)। मिस्र के मध्यस्थों और हमास के बीच गाजा पट्टी में संभावित युद्धविराम के संबंध में कई मुद्दों पर आम सहमति बन गई है। इसकी जानकारी मिस्र मीडिया ने शनिवार को दी। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र के अल-काहेरा न्यूज टीवी चैनल ने अज्ञात वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा कि हमास का एक प्रतिनिधिमंडल इस्राइल के साथ युद्धविराम के लिए मिस्र द्वारा प्रस्तावित पहल की शर्तों पर चर्चा करने के लिए काहिरा पहुंचा है। इससे पहले मिस्र के सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हमास प्रतिनिधिमंडल शनिवार को इस्राइल के साथ संघर्ष विराम समझौते को पूरा करने और लागू करने के इरादे से काहिरा पहुंचा। सूत्रों ने कहा कि हमास प्रतिनिधिमंडल की काहिरा यात्रा मिस्र की गारंटी मिलने के बाद हुई कि गाजा में युद्धविराम हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, मिस्र ने हमास को किसी समझौते पर पहुंचने में विफल रहने पर गाजा में फिर से तनाव बढ़ने की चेतावनी दी है। बताया गया है कि यूएस सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के निदेशक विलियम बर्न्स मिस्र का दौरा करने वाले हैं।

इस्राइल ने राफा ऑपरेशन से पहले दी निकासी योजना की जानकारी

वॉशिगटन (एपी)। इस्राइल ने हमास उग्रवादियों का सफाया करने के उद्देश्य से दक्षिणी गाजा के राफा में अपने संभावित 'ऑपरेशन' से पहले आम फलस्तीनी नागरिकों को सुरक्षित निकालने की अपनी योजना के बारे में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन के अधिकारियों को जानकारी दी है। अमेरिकी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ट

अधिकारी ने बताया कि इस्राइल द्वारा योजना की जानकारी दिए जाने के बावजूद अमेरिकी प्रशासन अपने इस रुख पर कायम है कि राफा में ऑपरेशन से फिलिस्तीन के कई आम लोगों की जान को जोखिम होगा। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने राष्ट्रपति जो बाइडन और अन्य पश्चिमी अधिकारियों की इस चेतावनी के बावजूद राफा में सैन्य अभियान का संकल्प लिया है कि इससे कई आम लोगों की मौत होने और मानवीय संकट गहराने का खतरा है। संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता एजेंसी ने कहा कि अगर इस्राइल राफा पर हमला करता है तो लाखों लोगों की जान जा सकती है।

गूगल ने डूडल से दी भारत की पहली पहलवान हमीदा बानो को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (भाषा)।

'अलीगढ़ की अमेजन' के नाम से प्रसिद्ध बानो ने 300 से अधिक प्रतियोगिताओं में की थी जीत हासिल

सर्च इंजन गूगल ने शनिवार को अपने होमपेज पर रंगीन डूडल के माध्यम से भारत की पहली महिला पहलवान हमीदा बानो को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। वर्ष 1954 में 4 मई को हमीदा बानो ने मशहूर पहलवान बाबा पहलवान को सिर्फ एक मिनट 34 सेकेंड में हरा दिया था। इस हार के बाद जहां बाबा पहलवान ने पेशेवर कुश्ती से संन्यास लेना उचित समझा, वहीं बानू का करियर अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों तक फैल गया और उनकी जीत की चर्चा दुनिया भर में हुई।

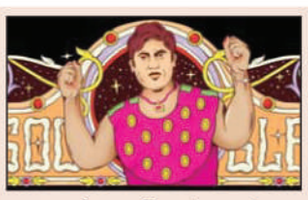

वर्ष 1900 के दशक की शुरूआत में उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के पास पहलवानों के एक परिवार में जन्मी बानो ने अपने पूरे करियर में कुल 300 से अधिक प्रतियोगिताओं में जीत हासिल की। पहलवानी में उनका करियर 1940 और 1950 के दशक में रहा। बानो ने कुश्ती के क्षेत्र में उस दौर में बड़ा नाम कमाया, जब एथलेटिक्स में महिलाओं को भाग लेने से हतोत्साहित किया जाता था। गूगल ने एक पोस्ट में लिखा कि बानो ने पुरुषों के साथ प्रतिस्पर्धा की और सभी पुरुष पहलवानों को एक खुली चुनौती दी थी कि जो भी उसे हराएगा, वह उससे शादी करेगी। अंतरराष्ट्रीय मैचों में बानो की सफलता से उन्हें और भी प्रशंसा मिली। इनमें से एक मुकाबला रूसी महिला पहलवान वेरा चिस्टिलिन के खिलाफ था, जिसे उन्होंने दो मिनट के भीतर हरा दिया था। वर्षों तक अख़बारों की सुर्खियां बटोरने वाली बानो को अलीगढ़ की अमेज़न कहा जाने लगा। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनका वजन 108 किलोग्राम था और उनकी लंबाई 5 फुट 3 इंच थी। उनके दैनिक आहार में 5.6 लीटर दूध, 2.8 लीटर सूप, 1.8 लीटर फलों का रस, एक मुर्गा, लगभग 1 किलोग्राम मटन और बादाम, आधा किलोग्राम मक्खन, 6 अंडे, दो बड़ी रोटियां और दो प्लेट बिरयानी शामिल थी। रायटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वह नौ घंटे सोती थीं और छह घंटे प्रशिक्षण लेती थीं। अपने समय की पथप्रदर्शक बानो ने न केवल साथी पहलवानों से, बल्कि अपने समय के मानदंडों से भी मुकाबला किया। गूगल ने एक नोट में लिखा है, हमीदा बानो अपने समय की अग्रणी महिला थी और उनकी निडरता को पूरे भारत और दुनिया भर में याद किया जाता है।

विवि परिसर में अलगाववादी कश्मीरी झंडा नहीं लगाने का आग्रह

वॉशिगटन (भाषा)।

भारतीय-अमेरिकी समुदाय के प्रमुख संगठनों ने अमेरिका के न्यूजर्सी में स्थित रटगर्स विश्वविद्यालय के कुलाधिपति से परिसर में अलगाववादी कश्मीरी झंडा लगाने की इजाजत नहीं देने का आग्रह किया है। संगठनों ने जोर देते हुए कहा कि ऐसा करने से अमेरिकी शैक्षणिक संस्थानों में फिलिस्तीन के समर्थन में हो रहे प्रदर्शनों के बीच गलत संदेश जाएगा।

अमेरिका के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में फिलिस्तीनी समर्थक गाजा में इस्राइली सेना की कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों के एक समूह ने शुक्रवार को कहा कि उनकी 10 में से आठ मांग रटगर्स विश्वविद्यालय के प्रशासन ने मान ली है। प्रदर्शनकारियों की नौवीं मांग है कि रटगर्स परिसरों में जहां-जहां अंतरराष्ट्रीय झंडे लगे हुए है उन जगहों पर फिलस्तीन, कुर्द और कश्मीरियों के झंडे लगाए जाएं, जिन पर कब्जा किया हुआ है।

विश्वविद्यालयों और प्रदर्शनकारियों में समझौता

न्यूयॉर्क (एपी)। अमेरिकी विश्वविद्यालयों और फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों के बीच समझौता होने के बाद विश्वविद्यालयों में इसाइल-हमास युद्ध के खिलाफ प्रदर्शन कम हो गए हैं। इसके साथ ही अंतिम परीक्षाओं और स्नातक दीक्षांत समारोहों में संभावित व्यवधान की गुंजाइश भी कम रह गई है। देशभर के 46 विश्वविद्यालय परिसरों में 17 अप्रैल से विरोध प्रदर्शन हो रहे थे। अब तक विरोध प्रदर्शन में शामिल 2,400 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच ब्राउन, नॉर्थवेस्टर्न और रटगर्स विश्वविद्यालयों ने समझौता कर लिया है। विरोध प्रदर्शनों के कारण कोलंबिया और यूसीएलए समेत कुछ विश्वविद्यालयों में कक्षाएं बाधित हुई है।

एनआरआई

भी खरीद सकते हैं भारत में संपत्ति

अगर कोई एनआरआई भारत में संपत्ति खरीदना चाहता है तो वह आवासीय अथवा व्यावसायिक किसी भी प्रकार की संपत्ति खरीद सकता है। इसके लिए उसे वह सारे नियम और कानून लागू होंगे जो भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति के ऊपर लागू होते हैं। आइए आज हम यह जानने की कोशिश करते हैं कि एनआरआई के अलावा कारपोरेट घराने, अथवा किसी व्यक्ति को अपने निजी इस्तेमाल के लिए संपत्ति खरीदते वक्त किन-किन कागजातों को तैयार रखना होता है

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट, रियल एस्टेट

संपत्ति की खरीदारी के समय खरीदार को उस संपत्ति से संबंधित किन कागज की जांच-परख करना जरूरी होता है इसका उल्लेख अपने पुराने लेखों में मैं कई बार कर चुका हूं। आज हम समझेंगे कि संपत्ति खरीदते वक्त उसके खरीदार को कौन से कागज तैयार रखने चाहिए जिससे कि अंतिम समय पर उसे किसी प्रकार की कठिनाई का सामना नही करना पड़े। आमतौर पर यही देखने को मिलता है कि या तो कोई व्यक्ति या दो व्यक्ति जो आपस में खून को रिश्ता रखते हों, कोई समूह या संस्था अथवा भारतीय मूल का कोई विदेशी व्यक्ति देश की संपत्तियों में निवेश करता है। इन सभी को कैसे कागजात की आवश्यकता होती है, आइये जानते हैं।

इंडिविजुअल ओनरशिप

इंडिविजुअल ओनरशिप का मतलब है कि कोई अकेला व्यक्ति जब कोई नवनिर्मित या किसी पूर्व स्वामी से कोई संपत्ति खरीदता है तो उस वक्त उसे पैन कार्ड यानी परमानेंट अकाउंट नंबर के साथ ही भारत सरकार की तरफ से जारी किया गया कोई व्यक्तिगत पहचान पत्र देना होता है। इस पहचान पत्र के तौर पर आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस या फिर भारत सरकार की तरफ से जारी किया गया कोई अन्य वैध पहचान पत्र प्रस्तुत किया जा सकता है। इसके साथ ही यह ध्यान रखना आवश्यक है कि संपत्ति की खरीदारी के लिए भुगतान की जाने वाली रकम कुछ हिस्से तक नगदी के अलावा बैंक ड्राफ्ट, बैंकर्स चेक, बैंक अकाउंट ट्रांस्फर जैसे माध्यमों से की जा सकती है। साथ ही किसी थर्ड पार्टी के द्वारा विक्रेता को दी गई राशि को वैधानिक आधार पर नहीं देखा जाता है। थर्ड पार्टी पेमेंट का अर्थ यह है कि जैसे आपने कोई संपत्ति किसी व्यक्ति से खरीदी और उस संपत्ति की कीमत का कुछ हिस्सा उसके विक्रेता को आपके किसी मित्र या संबंधी ने दिया तो उस रकम को आपके द्वारा चुकाई गई कीमत के रूप पर नही देखा जाएगा।

कंपनी के नाम पर जब हो खरीद

व्यक्तिगत तौर के अलावा कंपनियों के नाम पर भी संपत्ति की रजिस्ट्री करवाई जाती है और ऐसी स्थिति में उस संपत्ति का हक उस कंपनी के नाम पर होता है। जब कोई संपत्ति किसी कंपनी के नाम पर करवाई जाती है तो उस स्थिति में कंपनी के स्वामी को कंपनी के पैन कार्ड, कंपनी के मैमोरेंडम ऐंड आर्टिकल, कंपनी को सिन यानी कॉरपोरेट आइडेंटिटी नंबर, बोर्ड रेजोल्यूशन, कंपनी द्वारा तय साइनिंग अथारिटी यानी कंपनी की ओर से उसकी खरीद के लिए अधिकृत व्यक्ति, अधिकृत व्यक्ति की व्यक्तिगत पहचान संबंधी कागज के साथ ही कंपनी का जीएसटी नंबर भी प्रस्तुत करना होता है। इसके अलावा किसी संपत्ति की इस तरह की खरीद में भी थर्ड पार्टी पेमेंट की अनुमति नहीं दी जाती है।

एनआरआई के लिए नियम

एनआरआई यानी भारतीय मूल के विदेशी नागरिकों को स्वदेश में संपत्ति खरीदने का पूरा अधिकार है। साथ ही उन्हें भारत के किसी विभाग से किसी तरह की कोई विशेष अनुमति लेने की आवश्यकता नही पड़ती। यही नही भारतीय मूल के विदेशी भारत में न सिर्फ आवासीय बल्कि वाणिज्यिक यानी व्यावसायिक या कॉमर्शियल इस्तेमाल की संपत्ति खरीदने के हकदार है किन्तु वह कृषि योग्य भूमि, कोई बागान अथवा फार्म हाउस नहीं खरीद सकते है। एनआरआई को यदि कोई आवासीय या फिर कॉमर्शियल संपत्ति खरीदनी हो तो सामान्य व्यक्ति के लिए तय गए दस्तावेजों जैसे व्यक्तिगत पहचान पत्र और पैन कार्ड के साथ ही उन्हें पासपोर्ट रूपी दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य है। इसके साथ ही संपत्ति के ऐसे

खरीदारों को भी थर्ड पार्टी पेमेंट की अनुमति नही दी जाती है। कोई एनआरआई/ओसीआई के रूप में, स्वतंत्र रूप या संयुक्त रूप से भी संपत्ति खरीद सकता है। एनआरआई किसी भारतीय निवासी जो भारत में ही रह रहा हो उसके साथ भी संयुक्त रूप से संपत्ति खरीद सकता है हां उस स्थिति में उसके संयुक्त आवेदक अथवा खरीदार को भी अपने व्यक्तिगत दस्तावेजों को प्रस्तुत करना होगा। इसके अलावा यदि कोई एनआरआई चाहे कि उसके लिए कोई व्यक्ति उसकी तरफ से लेन-देन की प्रारंभिक प्रक्रिया को अंजाम दे और वह रजिस्ट्री के लिए देश आए तो उस स्थिति में उसे उस व्यक्ति विशेष के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी (पीओए) निष्पादित करने की आवश्यकता होगी। पीओए धारक एनआरआई की तरफ से हस्ताक्षर करेगा और संपत्ति की खरीद के अलावा ऋण संबंधी लेनदेन की प्रक्रियाओं को पूरा करने के लिए अधिकृत होगा।

पार्टनरशिप फर्म भी ले सकती है संपत्ति

पार्टनरशिप फर्म के लिए भी ज्यादातर कागजात व्यक्तिगत तौर पर ली जाने वाली संपत्ति जैसे ही है। बस इस रूप में खरीदार को पार्टनिशप फर्म की पार्टनरशिप डीड के साथ आथराइजेशन लैटर की प्रति भी प्रस्तुत करनी होती है। पार्टनरशिप फर्म को अपने पैन कार्ड नंबर के साथ जीएसटी नंबर भी पेश करना होता है। यहां एक बार फिर उल्लेख कर दूं कि इस मालिकाना हक के रूप में ली जाने वाली संपत्ति में भी थर्ड पार्टी पेमेंट की कोई जगह व गुंजाइश नहीं होती है। मै हमेशा अपने लेखों के माध्यम से कहता हूं कि संपत्ति चाहे बेचनी हो या फिर खरीदनी हो, आपको उसके कागजात को लेकर कोई चूक नही बरतनी चाहिये। यदि आप कम कागज या किसी कागज को नजरअंदाज करते हुए कोई संपत्ति खरीद लेते है तो हो सकता है कि आपको उस संपत्ति को बेचते हुए उस कागज की कमी का अहसास हो और ऐसी स्थिति बन जाय कि उस संपत्ति की बिक्री में आपको मुश्किलें पेश आएं या कागज के अभाव में आपको बाजार भाव से कम दाम मिले। ऐसे में कागजों का महत्व समझें और इसमें कोई संदेह की स्थिति न बनने दें। ■

म्यूचुअल फंड

सख्त हुए केवाईसी नियम

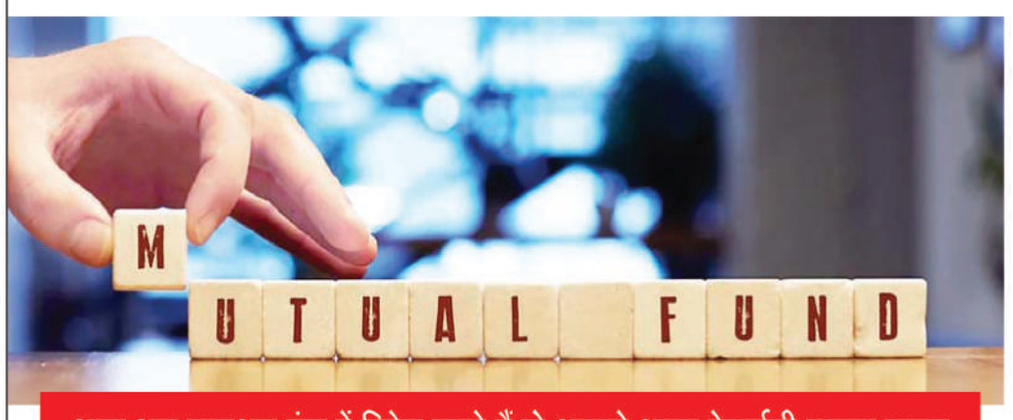

अगर आप म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो आपको अपना केवाईसी एकदम दुरुस्त रखना होगा अन्यथा आपके निवेश का आवेदन निरस्त हो जाएगा अथवा म्यूचुअल फंड से धन की निकासी में भी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। आइये जानने की कोशिश करते हैं कि म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए केवाईसी नियमों में क्या बदलाव हुए हैं और इन बदलावों का आम निवेशकों पर क्या असर होगा

वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए सरकार समय-समय पर इससे जुड़े नियमों में बदलाव करती रहती है। इन बदलावों से जहां निवेशकों का धन सुरक्षित हो जाता है वहीं उनके समक्ष कुछ समस्याएं भी पैदा हो जाती हैं। हाल ही में बाजार नियामक सेबी ने म्यूचुअल फंड की केवाईसी से जुड़े नियमों में कुछ बदलावों को लागू किया है। इन बदलावों से हजारों ऐसे निवेशक हैं जिनके सामने समस्या पैदा हो गई है। आइये जानने की कोशिश करते हैं कि केवाईसी नियमों में क्या बदलाव हुए हैं और इन बदलावों से किन निवेशकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

आवेदन और पैन में नाम मिस मैच न हो

बाजार नियामक ने निवेशकों के धन की सुरक्षा की दृष्टि से अब म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए आवेदन करने वालों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वे अपने आवेदन में वही नाम लिखें जो उनके पैन में लिखा हो। अगर दोनों का मिलान करते वक्त दोनों ही नामों में कुछ भी अंतर पाया गया तो म्यूचुअल फंड की खरीद के लिए निवेशक का आवेदन निरस्त किया जा सकता है। इसे हम इस तरह समझ सकते हैं। मान लीजिये किसी व्यक्ति का नाम उमेश कुमार यादव है और उसके पैन पर यही नाम शार्ट में यू.के. यादव लिखा है तो उसका नाम पैन के साथ मिस मैच कर जाएगा। ऐसे में म्यूचुअल फंड खरीद के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति का आवेदन निरस्त हो जाएगा।

पहले क्या थी व्यवस्था

नए नियम आने से पहले अगर किसी व्यक्ति का नाम उसके पैन में यूके यादव लिखा है और उसने आवेदन पर उमेश कुमार यादव लिख दिया तो म्यूचुअल फंड हाउस उसकी जांच करके आवेदन को सही मान लेते थे। लेकिन मौजूदा नए नियम आने के बाद अब ऐसे लोगों के लिए मुश्किल हो गई है जिनके विभिन्न सरकार पहचान पत्रों पर उनके अधूरे नाम लिखे हैं। चूंकि सेबी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि नाम में किसी प्रकार का मिसमैच नहीं होना चाहिए अतः इस मामले में अब म्यूचुअल फंड हाउस भी सख्ती बरत रहे हैं।

कैसे मैच कराया जाता है नाम

नाम को मैच कराने में आरटीए यानी रजिस्ट्रार एंड ट्रांसफर एजेंट द्वारा म्यूचुअल फंड से जुड़े आवेदन पर नाम मैच कराने के लिए आवेदन पत्र को पैन जारी करने वाली एजेंसियों को भेजा जाता है। जांच एजेंसी द्वारा सबसे पहले यह देखा जाता है कि आवेदन पत्र पर जो पैन लिखा है वही पैन कार्ड आवेदक के पास है अथवा नहीं। इसके बाद यह देखा जाता है कि आवेदन पर जो नाम लिखा गया है वह नाम पैन पर दर्ज है अथवा नहीं। अगर पैन और आवेदन पर लिखे नामों में कुछ भी अंतर हुआ तो आरटीए द्वारा इसकी जानकारी फंड हाउस को दे दी जाती है। फंड हाउस आवेदक से दूसराआवेदन पर जो पैन लिखा होता था उसके आधार फंड हाउस आवेदक से नया आवेदन दाखिल करने का आग्रह करती है जिसमें काफी समय लगता है।

नाम वैलिडेट हो चुका है तो भी हो सकती है दिक्कत

अगर कोई व्यक्ति किसी एक फंड हाउस में अपना नाम वैलिडेट करा चुका है और दूसरे फंड हाउस में भी निवेश करना चाहता है तो उसका नाम दुबारा मैच कराना पड़ सकता है। इसकी वजह यह है कि नाम को मैच कराने वाली एजेंसियों की संख्या एक से ज्यादा है। अगर दोनों फंड हाउस के लिए नाम मैच कराने वाली एजेंसी एक ही है तो ज्यादा दिक्कत नहीं होती है लेकिन अगर दोनों फंड हाउस अलग-अलग एजेंसियों की सेवाएं ले रहे हैं तो उसमें कुछ दिक्कतें पैदा हो सकती हैं।

पुराने निवेशकों पर असर नहीं

नए नियमों का असर पुराने निवेशकों पर नहीं पड़ेगा। इसकी वजह यह है कि पुराने निवेशक आरटीए व्यवस्था के तहत पहले ही अपना नाम वैलिडेट करा चुके होते हैं और नए निवेशकों को अपना नाम अब नई व्यवस्था के तहत कराना पड़ेगा जिसके चलते उसमें कुछ समय लग सकता है।

■ (बिजनेस डेस्क)

अक्षय तृतीया

पर संभलकर करें सोने की खरीद

इस साल अक्षय तृतीया 10 मई को मनाई जाएगी। अक्षय तृतीया के दिन लोग सोने की खरीद करना शुभ मानते हैं और यही वजह है कि इस दिन टनों सोना बिक जाता है। अगर आप भी अक्षय तृतीया के दिन शादी-ब्याह के लिए आभूषणों के रूप में अथवा निवेश के नजरिये से सोने की खरीद करने जा रहे हैं तो आपको कुछ अहम बातों का ध्यान रखना होगा अथवा आपको नुकसान भी उठाना पड़ सकता है

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

बहुत से लोगों ने से लोगों ने अपनी बेसिक शिक्षा प्राप्त करने के दौरान एक दोहा अवश्य पढ़ा या सुना होगा। वह दोहा कुछ इस तरह है:-

कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय,
वा खाए बौराए नर, या पाए बौराए।।

इस दोहे को कई लोगों ने कुछ अलग-अलग रूपों में लिखा है लेकिन कुल मिलाकर इस दोहे का भाव एक ही निकलता है और वह भाव यह है कि सोने में धतूरे से सौ गुना ज्यादा नशा है, जिस तरह धतूरा खाकर आदमी नशे में बौरा जाता है ठीक उसी तरह जब उसको ढेर सारा सोना मिल जाता है तो उसे सोना मिलने का नशा हो जाता है और वह उसके घमंड में एकदम बौरा जाता है। जी... हां... सोना है ही कुछ ऐसी धातु जिसे पाने को लोग दीवाने रहते हैं और अगर होने ढेर सारा सोना मिल जाता है तो भी वे दीवाने हो जाते हैं। भारत में सोने के कद्रदानों की संख्या काफी ज्यादा है। यही वजह है कि देश में हर साल 800 से 900 टन सोने का आयात हो जाता है। दिवाली और शादी-ब्याह के मौके पर सोने की खरीद जहां काफी बढ़ जाती है। वहीं अक्षय तृतीया के मौके पर भी खूब सोना खरीदा जाता है। अक्षय तृतीया भारत में मनाया जाने वाला एक अहम पर्व है। यह सोना खरीदने के लिए काफी शुभ माना जाता है। यही वजह है कि इस दिन देश भर में सोने की बंपर खरीद होती है।

अक्षय तृतीया का महत्व

भारतीय संस्कृति में सोना धन का पर्याय है। आज के दौर में सोने के आभूषण रखना स्टेटस सिंबल के रूप में भी देखा जाता है। सोना धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी से भी जुड़ा है। कुछ लोगों की मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं। यही वजह है कि लोग शादी-विवाह, के लिए या निवेश के लिए सोना खरीदने के लिए अक्षय तृतीया को सबसे ज्यादा शुभ दिन मानते हैं। अगर आप दस मई 2024 को मनाए जाने वाले अक्षय तृतीया के मौके पर अपनी जरूरत या निवेश के नजरिये से सोना या इससे बने आभूषण खरीदने का इरादा रखते हैं तो आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा। अन्यथा हो सकता है कि आपको शुद्ध सोना न मिल सके।

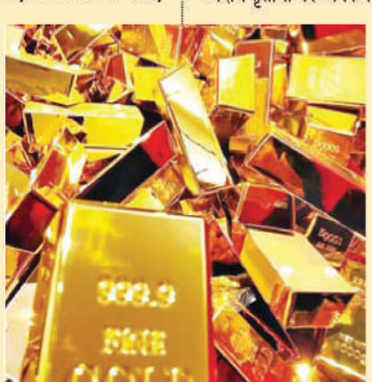

आभूषण के लिए कितने कैरेट का हो सोना

आमतौर पर सबसे ज्यादा शुद्ध सोना 24 कैरेट का होता है लेकिन यह इतना ज्यादा नरम होता है कि इससे आभूषण नहीं बन पाते। अतः इसमें कुछ अन्य धातुओं का मिश्रण किया जाता है जिसके बाद यह सोना 22 कैरेट, 20 कैरेट अथवा 18 कैरेट का रह जाता है। सोना खरीदते वक्त उसके कैरेट की जानकारी अवश्य करें और जितने कैरेट का सोना है उसी के आधार पर उसकी कीमत का भुगतान करें। आमतौर पर रेडिमेड अंगूठियां, या कान की बालिया 18 से 22 कैरेट के बीच की होती हैं। जबकि कुछ ज्वेलर्स 16 और 14 कैरेट के भी आभूषण बना देते हैं जो काफी सस्ते पड़ते हैं।

गोल्ड बार या बिस्कुट की खरीद

अक्षय तृतीया पर अगर कोई व्यक्ति निवेश के नजरिये से सोना खरीदना चाहता है तो उसके लिए गोल्ड बार या बिस्कुट के रूप में सोने की खरीद की जा सकती है लेकिन निवेश के नजरिये से यह सोना खरीदना और उसको सुरक्षित रखना एक बड़ी अहम जिम्मेदारी होती है। लेकिन फिर भी अगर आप गोल्ड बार या बिस्कुट के रूप में सोना खरीद रहे हैं तो हालमार्क या बीआईएस प्रमाणन अवश्य देखें।

शुद्धता की परख भी जरूरी

आप सोने की खरीद आफलाइन कर रहे हों या अनालाइन हर जगह आपको नकली सोना मिलने की आशंका बनी रहती है। इसलिये सोना खरीदते वक्त इसकी शुद्धता की परख इसके प्रमाणन के आधार पर करें। इसके लिए सबसे पहले आप किसी प्रतिष्ठित अथवा किसी परिचित ज्वेलर्स का चयन करें। साथ ही इस बात की जानकारी करें कि जो आभूषण आप खरीद रहे हैं क्या वह उचित प्रमाणन के साथ बेचा जा रहा है। इसके लिए आप यह जांचें कि जो आभूषण आप खरीद रहे हैं वह आभूषण भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) हालमार्क या इंटरनेशनल जेमोलाजिकल इंस्टीट्यूट (आईजीआई) या जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका (जीआईए) जैसी किसी संस्था से प्रमाणित है या नहीं। अगर किसी सरकारी या अन्य प्रतिष्ठित संस्था से प्रमाणित आभूषण आप खरीदेंगे तो इसकी शुद्धता की गारंटी अवश्य होगी।

डिजिटल गोल्ड में निवेश

निवेश के दृष्टि से सोना खरीदने के लिए डिजिटल गोल्ड सबसे अच्छा विकल्प समझा जाता है। इसकी वजह यह है कि इस सोने को रखने या उसकी सुरक्षा करने की कोई चिंता नहीं रहती। डिजिटल गोल्ड डिजिटल रूप में ही आपके मोबाइल फोन या कंप्यूटर में सुरक्षित रहता है और जब चाहे आप उसे डिजिटल तरीके से बेच भी सकते हैं। गोल्ड बांड या गोल्ड ईटीएफ भी डिजिटल गोल्ड का ही एक रूप है। आप बांड या गोल्ड ईटीएफ में आनलाइन निवेश करके भविष्य में जब भी सोने के दाम बढ़ें तो इसे आनलाइन ही बेच कर मुनाफा कमा सकते हैं।

आसमान पर हैं सोने के भाव

इस बार सोने की कीमतें आसमान पर हैं। हाला ही में सोना 75 हजार रुपये प्रति दस ग्राम का आंकड़ा छूकर वापस लौटा है और इस समय भी इसके दाम 71 हजार रुपये प्रति दस ग्राम के आसपास बने हुए हैं। अगर खरीदारों के भाग्य ने साथ दिया तो अक्षय तृतीया के मौके पर सोने के भाव कुछ नीचे आ सकते हैं अन्यथा लोगों को महंगे भाव पर ही सोना खरीदन पड़ेगा। ■

चार विकेट से हार के साथ गुजरात की राह मुश्किल, आरसीबी को मुश्किल वक्त में काम आए कार्तिक

बेंगलुरु की जीत से प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

● बेंगलुरु

फाफडु प्लेसिस और विराट कोहली की तूफानी बल्लेबाजी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को अपने घर में चार विकेट से पीट दिया। मैच में आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते गुजरात की पारी को 19.3 ओवर में ही 147 रन पर समेट दिया था। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी के लिए फडु प्लेसिस और विराट कोहली ने मिलकर धूम मचा कर दी। फाफडु प्लेसिस ने 23 गेंद में 10 चौके और 3 छक्के के साथ 64 रनों की धुआंधार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 18 गेंद में अपनी फिफ्टी पूरी कर ली थी। सिर्फ फाफडु प्लेसिस ही नहीं, विराट कोहली ने भी बल्ले से खूब धमाल मचाया। कोहली ने 27 गेंद में 42 रनों की पारी खेली। हालांकि फाफ के आउट होने के बाद आरसीबी की पारी पावर प्ले खत्म होते ही लड़खड़ा गई, लेकिन दिनेश कार्तिक एक बार फिर से फिनिशर की भूमिका निभाते हुए आरसीबी को जीत दिलाकर वापस लौटे। इस जीत के साथ ही आरसीबी के अब 11 मैचों में 8 अंक हो गए हैं। ऐसे में बचे हुए तीनों मैचों में अगर आरसीबी जीत हासिल करती है तो रनरेट के समीकरण से उसके पास प्लेऑफ में पहुंचने का मौका बरकरार रहेगा। वहीं गुजरात टाइटंस के लिए अब प्ले ऑफमें पहुंचने की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गई है। गुजरात 11 मैचों में 8 अंक के साथ 9वें स्थान पर है और रन रेट भी आरसीबी से खराब हो गया है।

पावरप्ले में आरसीबी ने बनाए 92 रन

गुजरात के खिलाफ इस मुकाबले में आरसीबी की टीम ने तूफानी अंदाज में बैटिंग करते हुए पहले 6 ओवर में 92 रन बना लिए थे। इस दौरान टीम ने सिर्फ एक विकेट गंवाया। फाफ डु प्लेसिस के आउट होने के बाद विल जैक्स बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। पहले विकेट के बाद आरसीबी की रन गति पर थोड़ा ब्रेक सा लग गया। इसके साथ ही टीम ने 99 रन के स्कोर पर विल जैक्स का भी विकेट गंवा दिया। दो विकेट के बाद तो गुजरात के गेंदबाज मानों अपने पूरे फॉर्म में लौट आए। जोशुआ लिटिल और नूर अहमद ने मिलकर मैच को रोमांचक मचा दिया। पावर प्ले के बाद गुजरात कीम टीम ने 6 विकेट झटक कर आरसीबी को मुश्किल में डाल दिया था।

दिनेश कार्तिक ने आखिर में संभाला मोर्चा

फाफडुप्लेसिस के आउट होने के बाद आरसीबी के चार बल्लेबाज मिलकर सिर्फ 8 रन ही बना पाए। लगातार गिर रहे विकेट के बीच गुजरात के लिए वापसी का एक बेहतरीन मौका बन गया था, लेकिन दिनेश कार्तिक ने मोर्चा संभालने का काम किया और उन्होंने आखिर तक बैटिंग करते हुए टीम को जीत दिलाई। कार्तिक 12 गेंद में 21 रन बनाकर नाबाद रहे। अपनी पारी में कार्तिक ने कुल तीन चौके भी लगाए। इसके अलावा स्वप्निल सिंह ने भी 9 गेंद में 15 रन बनाए।

जोशुआ लिटिल ने झटके 4 विकेट

आरसीबी के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए फाफडु प्लेसिस और विराट कोहली ने जिस तरह से शुरुआत की थी उससे ऐसा लग रहा था कि की टीम को एक बड़ी जीत हासिल करेगी, लेकिन जैसे भी आरसीबी का पहला विकेट गिरा उसके बाद गुजरात के तेज गेंदबाज जोशुआ लिटिल ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया। लिटिल ने 2 ओवर में 32 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। जोशुआ लिटल को साथ मिला नूर अहमद का जिन्होंने दो विकेट हासिल करिए। इस दौरान इन दोनों को अगर गुजरात के अन्य गेंदबाजों का साथ मिलता तो शायद टीम ने 147 रन का बचाव करते हुए एक बड़ा उलटफेर कर सकती थी।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
साहा कै. कार्तिक बो. सिराज	01	03	1/0
शुभमन गिल कै. वैशाख बो. सिराज	02	08	0/1
सुदर्शन कै. कोहली बो. ग्रीन	06	06	0/2
शाहरुख खान रन आउट (कोहली)	37	04	1/0
मिलर कै. मैक्सवेल बो. कर्ण	30	52	6/3
तेवतिया कै. वैशाख बो. यश दयाल	35	8	2/0
राशिद खान बोल्ड यश दयाल	18	31	2/2
विजय शंकर कै. सिराज बो. वैशाख	10	02	0/1
मानव सुथर कै. स्वप्निल बो. वैशाख	01	04	0/0
मोहित शर्मा रन आउट (कार्तिक/वैशाख)	00	02	0/0
नूर अहमद नाबाद	00	00	0/0

अतिरिक्त: 07, कुल:19.3 ओवर में 147 रन पर सभी खिलाड़ी आउट, **विकेट पतन**: 1-1, 2-10, 3-19, 4-80, 5-87, 6-131, 7-136, 8-147, 9-147, 10-147, **गेंदबाजी**: स्वप्निल सिंह 1-0-1-0, मोहम्मद सिराज 4-0-29-2, यश दयाल 4-0-21-2, कैमरन ग्रीन 4-0-28-1, विजयकुमार वैशाख 3.3-0-23-2, कर्ण शर्मा 3-0-42-1,

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4/6
विराट कै.साहा बो. नूर	42	27	2/4
डुप्लेसी कै. शाहरुख बो. लिटिल	64	23	10/3
विल जैक्स कै. शाहरुख बो. नूर	01	03	0/0
पाटीदार कै. मिलर बो. लिटिल	02	03	0/0
मैक्सवेल कै. मिलर बो. लिटिल	04	03	1/0
ग्रीन कै. शाहरुख बो. लिटिल	01	02	0/0
दिनेश कार्तिक नाबाद	21	12	3/0
स्वप्निल सिंह नाबाद	15	09	2/1

अतिरिक्त: 02, कुल: 13.4 ओवर में छह विकेट पर 152 रन , **विकेट पतन**: 1-92, 2-99, 3-103, 4-107, 5-111, 6-117, **गेंदबाजी**: मोहित शर्मा 2-0-32-0, जॉश लिटिल 4-0-45-4, मानव सुथर 2-0-26-0, नूर अहमद 4-0-23-2, राशिद खान 1.4-0-25-0,

हरिद्वार की मनीषा ने बनाई भारतीय हॉकी टीम में जगह

हरिद्वार (एजेंसी)। उत्तराखंड के हरिद्वार से वंदना कटारिया के बाद श्यामपुर की मनीषा चौहान ने भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह बनाई है। टीम में घोषणा के बाद मनीषा चौहान के परिवार को बधाई देने वालों का तांता लग गया है। मनीषा चौहान के पिता सेना से रिटायर हैं और मनीषा चौहान ने हाल ही में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन किया था जिसके बाद मनीषा चौहान को राष्ट्रीय टीम में जगह दी गई। जल्द ही भारतीय महिला हॉकी टीम एफ आई एच प्रो लीग खेलने बेल्जियम और इंग्लैंड जाएगी। मनीषा का जन्म सन 1999 में हरिद्वार के श्यामपुर में हुआ। मनीषा के पिता ज्ञान सिंह बी एस एफ में सेवारत रहे जो कि हाल ही में सेवानिवृत हो घर लौटे हैं। मनीषा के परिवार को दौहरी खुशी मिली है। मनीषा ने श्रीराम विद्या मंदिर श्यामपुर मे शिक्षा के दौरान स्कूल की ओर से हॉकी खेलना शुरु किया। सीबीएसई द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन किया और बेस्ट ऑफ प्लेयर ख़िताब जीता।

स्टेडियम की वजह से गेंदबाज हो रहे हैं बर्बाद: अश्विन

पुराने स्टेडियम आज प्रासंगिक नहीं

नई दिल्ली । दुनिया के टॉप ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि आधुनिक समय में पावर हिटिंग बल्लेबाजी के कारण गेंदबाजों के लिए कुछ भी नहीं रह गया है। अश्विन का मानना है कि अविश्वसनीय पावर हिटिंग धीरे-धीरे क्रिकेट स्टेडियमों के आकार को अप्रासंगिक बना रही है और उन्हें डर है कि यह प्रवृत्ति खेल को एकतरफा बना सकती है। अश्विन की टिप्पणी इस साल के आईपीएल में टीमों द्वारा बनाए जा रहे बड़े स्कोर के संदर्भ में आयी है। सनराइजर्स हैदराबाद ने मौजूदा सत्र में दो बार इस लीग का सबसे बड़े स्कोर 277 और 287 का रिकॉर्ड बनाया। इंपैक्ट प्लेयर नियम के आने के बाद मौजूदा आईपीएल सत्र में टीमों ने कई बार 250 रन के आंकड़े को पार किया। अश्विन ने कहा, कुछ समय पहले बनाए गए स्टेडियम आज के समय में प्रासंगिक नहीं हैं। उस समय जो बल्ले इस्तेमाल किए जाते थेए उनका इस्तेमाल अब गली क्रिकेट में नहीं होता है। प्रायोजकों के एलईडी बोर्डों के इस्तेमाल के कारण बाउंड्री पहले ही 10 गज कम हो गयी है। अश्विन का मानना है कि अगर यही सिलसिला जारी रहा तो आने वाले समय में खेल एकतरफा हो जाएगा। अपनी बातों को सीधे तरीके से रखने वाले अश्विन ने कहा, आज के दौर में खेल एक तरफ बहुत ज्यादा झुका हुआ है। यह किसी को परेशान कर के किसी को खुश करने जैसा है।

पंड्या थके और दबाव में दिखे

मुंबई । पूर्व क्रिकेटर आरोन फिंच और ग्रीम स्मिथ का मानना है कि भारतीय उप कप्तान हार्दिक पांड्या थके हुए, हताश और दबाव में दिख रहे हैं तथा उनकी अगुआई में पांच बार की चैम्पियन का इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के इस चरण में जूझना जारी है। वानखेडे स्टेडियम में पांड्या को फिर हूटिंग का सामना होना पड़ा जो टीम के लिए निराशाजनक मुकाबला रहा जिसमें कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें 24 रन से शिकस्त दी। फंच ने कहा, वह इस समय काफी निराश और थका हुआ दिख रहा है। ऐसा लग रहा है कि वह काफी दबाव महसूस कर रहा है। मुझे ऐसा लगता है। मैं खुद ऐसी स्थिति में रहा हूं जहां आप व्यक्तिगत रूप से कुछ भी कोशिश करो लेकिन यह कारगर होता हुआ नहीं दिखता।

कोलकाता व मुंबई मैच के दौरान टॉस में गड़बड़ी, फिक्सिंग के लगे आरोप

नई दिल्ली । हार्दिक पांड्या की मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2024 सीजन की आठवीं हार का सामना करना पड़ा क्योंकि कोलकाता नाइट राइडर्स ने उन्हें वानखेड़े स्टेडियम में 24 रनों से हरा दिया। हालांकि मैच के दौरान जो हुआ उससे अधिक टॉस के दौरान की एक घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है और कुछ सोशल मीडिया यूजर्स फिक्सिंग का आरोप लगा रहे हैं। शुक्रवार को टॉस के दौरान हार्दिक पंड्या ने सिक्का उछाला जबकि कैमरामैन के परिणाम को अच्छी तरह से देखने से पहले मैच रेफरी पंकज धर्माने ने इसे उठा लिया। अंपायर द्वारा कप्तान हार्दिक पांड्या के पक्ष में फैसला सुनाए जाने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि टॉस में धांधली हुई होगी।

महिला हॉकी लीग: मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग 2024 चरण-1 में हरियाणा ने बंगाल और मध्य प्रदेश ने शनिवार को महाराष्ट्र को हराया। हरियाणा की टीम ने रोमांचक मुकाबले में बंगाल को 4-3 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। वहीं मध्य प्रदेश ने महाराष्ट्र को 2-1 से हरा दिया। पहला हाफ बिना किसी गोल के शांत रहने के बादए मध्य प्रदेश ने तीसरे क्वार्टर में आंचल साहू 45वें के फील्ड गोल से गतिरोध को तोड़ते हुए बढ़त बना ली। महाराष्ट्र की कप्तान अश्विनी कोलेकर 50वें मिनट ने अंतिम क्वार्टर में सिर्फ पांच मिनट से कम समय में फील्ड गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। हालांकि, स्वाति 54वें मिनट ने मैदानी गोल करके मध्य प्रदेश को फिर से बढ़त दिला दी। इसके बाद, मध्य प्रदेश ने अपनी एक गोल की बढ़त बरकरार रखने के लिए कड़ा बचाव खेल खेला। बाद में मिजोरम का मुकाबला मणिपुर से होगा, जबकि झारखंड का मुकाबला ओडिशा से होगा।

बंगाल व हरियाणा में रोमांचक मुकाबला : दिन के शुरुआती मैच में, बंगाल की टीम कुछ ही समय में बढ़त हासिल करने में सफल रही और सिलबिया नाग दूसरे मिनट ने खेल की शुरुआत में ही पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल दिया। इसके बाद सेलेस्टिना होरो 19वें ने दूसरे क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। रियाणा की कप्तान नीलम 20वें ने तुरंत जवाबी कार्रवाई करते हुए पेनल्टी कार्नर को गोल में बदला जिससे घाटा कम हुआ क्योंकि मध्यांतर तक बंगाल 2-1 से आगे था। नंदनी 41वें ने हरियाणा के लिए एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर बराबर कर दिया, इससे पहले शशि खासा 43वें ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर हरियाणा को बढ़त दिलाने में मदद की। अंतिम क्वार्टर की शुरुआत में पिंकी 46वें मिनट ने फील्ड गोल करके हरियाणा को 4-2 की बढ़त दिला दी। शांति होरो 51वें मिनट ने बंगाल के लिए फील्ड गोल करके वापसी की संभावना पैदा की, लेकिन हरियाणा ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए विजेता बना।

हमीदिया स्पोर्ट्स ने पीएंडजी को पांच विकेट से हराया

भोपाल (खेल संवाद)। स्वर्गीय अरविंद चतुर्वेदी स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में दो मुकाबले खेले गए। पहला मुकाबला हमीदिया स्पोर्ट्स एवं पीएंडजी के मध्य खेला गया जिसमें हमीदिया स्पोर्ट्स ने पीएंडजी को पांच विकेट से पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पीएंडजी की टीम 17.4 ओवर में 102 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। आदित्य मजूमदार ने 53 रन, अंकित लोधी 22 रन बनाए।

शेष कोई बल्लेबाज दो अंक तक भी नहीं पहुंच सका। गेंदबाजी करते हुए हमीदिया स्पोर्ट्स की ओर से यासिर खान चार विकेट, दीपक मालवीय 4 विकेट लिए। जवाबी पारी खेलते हुए हमीदिया स्पोर्ट्स की टीम ने 16 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त किया।

विशाल सोनी ने 47 रन, यासिर खान 22 रन बनाए। पीएंडजी की ओर से महेंद्र मिश्रा और नीलम को दो-दो विकेट मिले। दीपक मालवीय मैन ऑफ द मैच बने। डिपार्टमेंट वर्ग में खेले गए मैच में डीजीपी एकादश ने सदय एकादश को नो विकेट से पराजित किया।

यूरोप टूर के लिए प्रदेश हॉकी अकादमी के तीन खिलाड़ियों का चयन

भोपाल। यूरोप टूर के लिए मध्य प्रदेश राज्य पुरुष हॉकी अकादमी के तीन खिलाड़ी अंकित पाल, कुनेन दाद और तालीम प्रियोबार्ता का चयन जूनियर भारतीय टीम में किया गया है। भारतीय टीम नीदरलैंड और बेल्जियम में अभ्यास मैच खेलेगी। भारतीय टीम 20 से 29 मई तक यह दौरा करेगी। उल्लेखनीय है कि तीनों खिलाड़ी खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 और जूनियर नेशनल के पदक विजेता खिलाड़ी हैं। यह पहला अवसर है जब एक साथ तीन खिलाड़ी भारतीय टीम में चयनित हुये हैं।

विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स के लिए अकादमी के खिलाड़ियों का चयन

भोपाल (खेलसंवाद)। तीन से छह जुलाई 2024 तक नीदरलैंड में आयोजित विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स में मप्र राज्य रोइंग अकादमी के 09 खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में हुआ है। प्रशिक्षक दलबीर सिंह ने यह जानकारी देते हुये बताया कि पहली बार विश्व यूनिवर्सिटी गेम्स में रोइंग के 09 खिलाड़ियों का चयन भारतीय दल में हुआ है। खिलाड़ियों में दिलजोत कौर, आकांक्षा पिंगले, सुहानी मीणा, मनीषा दांगी, अमन सिंह, प्रयास, राघव शरण, योगेश ठाकुर, नेहा शामिल हैं।

मप्र रोइंग अकादमी के छह खिलाड़ी ब्रिक्स गेम्स के लिए भारतीय टीम में चयनित

भोपाल (खेलसंवाद)। 12 से 23 जून तक ब्रिक्स गेम्स का आयोजन कजान रूसिया में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में दुनियाभर के 300 प्रतिभावान खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेनेवाली 12 सदस्यीय भारतीय दल में मप्र राज्य खेल अकादमी के छह खिलाड़ी शामिल हैं। अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक दलबीर सिंह राठौर को भी भारतीय महिला रोइंग टीम का प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। मप्र राज्य खेल अकादमी के जिन छह खिलाड़ियों का चयन भारतीय टीम में किया गया है, उनमें खुशप्रीत कौर अकादमीकी एसोसिएट मेम्बर हैं, और सीआरपीएफ में सेवारत हैं। कुमारी पूनम अकादमी की एसोसिएट मेम्बर हैं और आईटीबीपी में सेवारत हैं। कु. रुकमणी अकादमी की एसोसिएट मेम्बर हैं और एसएसबी में सेवारत हैं।

हॉकी | रोहित करेंगे 20 सदस्यीय दल की अगुआई, शारदानंद तिवारी को बनाया गया उपकप्तान

यूरोप दौरे के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम घोषित

● नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने यूरोप दौरे के लिए भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम घोषित कर दी है। टीम रक्षापंक्ति के खिलाड़ी रोहित की अगुआई में 20 से 29 मई तक यूरोप दौरे पर पांच मैच खेलेगी। इस 20 सदस्यीय टीम में शारदानंद तिवारी को उपकप्तान बनाया गया है।

हॉकी इंडिया के खिलाड़ियों को अनुभव दिलाने के साथ प्रदर्शन को बेहतर करने की पहल के तहत भारतीय टीम बेल्जियम, जर्मनी और नीदरलैंड में पांच मैच खेलेगी। हॉकी इंडिया के हवाले से कप्तान रोहित ने कहा, हम अपने शिविर में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और एक-दूसरे के खेलने के तरीके को समझ रहे है। अन्य देशों की टीमों के खिलाफ एक साथ खेलना अद्भुत होगा, जिससे हमें अपने खेल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। भारत इस दौरे का आगाज 20 मई को एंटवर्प में बेल्जियम के खिलाफ करेगा। टीम इसके बाद 22 मई को नीदरलैंड के ब्रेडा में फिर से बेल्जियम से भिड़ेगी। इसी स्थल पर टीम 23 मई को नीदरलैंड की क्लब टीम ब्रेडेज हॉकी वेरेनिगिंग पुश से खेलेगी। इसके बाद 28 और 29 मई को जर्मनी के खिलाफ खेलेगी। इसमें से पहला मैच जर्मनी, जबकि दूसरा मैच ब्रेडा में होगा।

भारतीय पुरुष जूनियर हॉकी टीम

- **गोलकीपर:** प्रिंस दीप सिंह, बिक्रमजीत सिंह
- **डिफेंडर:** शारदानंद तिवारी, योगेम्बर रावत, अनमोल एक्का, रोहित, मनोज यादव, तालेम प्रियो बार्टा
- **मिडफील्डर:** अंकित पाल, रोशन कुजूर, बिपिन बिलवारा रवि, मुकेश टोप्पो, मनमीत सिंह, वचन एच।
- **फॉरवर्ड:** सौरभ आनंद कुशवाहा, अर्शदीप सिंह, गुरजोत सिंह, मोहम्मद कोनैन दाद, दिलराज सिंह, गुरसेवक सिंह।

नेहा बनीं भारतीय टीम की कोच

भोपाल। मध्य प्रदेश बॉक्सिंग अकादमी की कोच नेहा कश्यप को कजाकिस्तान में खेली जा रही एशियन चैंपियनशिप अंडर 22 के लिए भारतीय बॉक्सिंग महिला टीम की कोच बनाया गया है। उनके कोच बनने पर प्रदेश बॉक्सिंग अकादमी प्रबंधन ने बधाई दी है।

रीवा ने भोपाल डिवीजन को हराया

भोपाल। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित अंडर 22 बॉयज ट्रॉफी लिमिटेड ओवर्स इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट इंदौर के आरबीसीएफ मैदान पर रीवा डिवीजन और भोपाल डिवीजन के बीच वन डे मैच खेला गया। भोपाल डिवीजन के कप्तान प्रियांशु शुक्ला ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और निर्धारित 50 ओवरों में सात विकेट के नुकसान पर 282 रन बनाए। भोपाल डिवीजन से बल्लेबाजी करते हुए अनिकेत वर्मा ने 76 रन, प्रारब्ध मिश्रा 65

एक्शन रोमांस से सोशल ड्रामा तक टॉप हीरो

बॉलीवुड ऐसे कई कलाकार है, जो अपने कौशल के साथ-साथ अपने प्रदर्शन से लगातार आश्चर्यचकित करने की क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं। अभिनेता जिन्होंने इंडस्ट्री पर बड़ा प्रभाव डाला -

अजय देवगन-
बॉलीवुड के सिंघम अजय ने अपनी ''गोलमाल'' श्रृंखला जैसी कॉमेडी फिल्मों और ''ओमकारा''और ''दृश्यम'' जैसी नाटकीय फिल्मों के साथ बड़े पर्दे पर अपना नाम बनाया है। न केवल उनकी पिछली हिट फिल्में बल्कि ''मैदान'' में उनका हालिया काम भी उनकी रेंज को दर्शाता है। उनके मजबूत व्यक्तित्व ने उन्हें जनता तक पहुंचने और जुड़ने में मदद की है।

रणवीर सिंह -
अपनी ऊर्जा, आकर्षण और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जाने जाने वाले रणवीर ने आधुनिक बॉलीवुड हीरो की परिभाषा बदल दी है। रणवीर ने ''बैड बाजा बारात'' में अपनी पहली फिल्म से लेकर ''पद्मावत'', ''गली बॉय'' और ''रॉकी और रानी की प्रेम कहानी'' जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं तक, हर फिल्म में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

रणबीर कपूर-
बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेताओं में से है। प्रतिभा कठिन किरदारों को भी गहराई से निभा सकती है। ''रॉकस्टार,'' ''बर्फी!'' जैसी फिल्मों में उनका अभिनय और ''संजू'' उनके अभिनय के अनुशासित तरीके को दर्शाते है। रणबीर लगातार प्रशंसित प्रदर्शन करते है।

अक्षय कुमार-
बॉलीवुड इंडस्ट्री में व्यावसायिक रूप से सबसे सफल अभिनेता है। एक्शन फिल्मों से लेकर सोशल ड्रामा तक, अक्षय सही मायनों में संपूर्ण मनोरंजनकर्ता है। अपनी स्वाभाविक कॉमिक टाइमिंग से लेकर अपने स्टंट करने तक, अक्षय वर्षों से देश के पसंदीदा बने हुए है। ''पैडमैन'', ''केसरी'' और ''मिशन मंगल'' जैसी फिल्मों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के साथ-साथ मनोरंजन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी उजागर करती है।

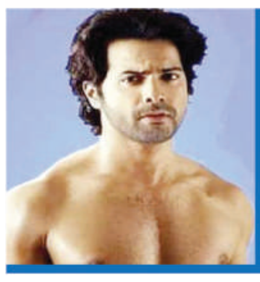

वरुण धवन-
ब्लॉकबस्टर स्टार वरुण ने बॉलीवुड के बैंकेबल सितारों के रूप में अपनी जगह बना ली है। ''जुड़वा 2'', ''बद्रीनाथ की दुल्हनिया'', और ''दिलवाले'' जैसी हिट फिल्मों के साथ, वरुण सभी शैलियों के अभिनेता हैं, जो अभिनय के साथ अपने आकर्षण का मिश्रण करते हैं। चाहे वह कॉमेडी हो, एक्शन हो, या रोमांस हो, प्रयोगात्मक अभिनेता का उत्साह और स्क्रीन पर स्वभाव उसे सभी उम्र के दर्शकों के बीच पसंदीदा और आम जनता का अभिनेता बनाता है। उन्होंने बॉक्स ऑफिस पर 1,200 करोड़ से अधिक की कमाई के साथ लगातार 11 से अधिक हिट फिल्में दी हैं।

टीवी

बॉलीवुड क्लासिक्स के साथ एक दशक

सोनी मैक्स 2 चैनल भारतीय सिनेमा के सुनहरे युग में ले जाता है। वो फिल्में, जिन्होंने अमिताभ बच्चन, राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, हेमा मालिनी जैसे कई अन्य सितारों को वास्तव में सितारा बनाया। ये 'सदाबहार फिल्में' समय की कसौटी पर खरी उतरी है, जिन्हें चयनित और क्यूरेट करता है। 'सूर्यवंशम' का सदाबहार आकर्षण, 'शान', 'सत्ते पे सत्ता', 'सड़क', और 'मिस्टर नटवरलाल' जैसी प्रतिष्ठित क्लासिक्स, खजाने की पेशकश करने के लिए जाना जाता है। महेश ठाकुर ने कहा- ''चैनल पर फिल्में देखने की मेरी बहुत सारी यादें है लेकिन दो फिल्में है 'सीता और गीता' एवं 'सूर्यवंशम'। मैंने अपने परिवार के साथ कई बार देखी है।'' अंजलि तत्रारी कहती है- ''इस चैनल पर फिल्में देखने की बहुत सारी यादें है, खासकर गर्मियों की छुट्टियों और सप्ताहांत के दौरान। यह मेरे परिवार के लिए साथ जुड़ने के सबसे शानदार तरीकों में से हुआ करता था।''

फोन का इस्तेमाल कम कर रही शुभांगी

एण्डटीवी के 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाबी का किरदार निभा रहीं शुभांगी अत्रे का कहना है कि इन दिनों ब्रेक लेना काफी मुश्किल काम हो गया है। वह कहती हैं आजकल शेड्यूल अक्सर इतना सख्त रहता है कि अपने लिये भी समय नहीं मिल पाता। शुभांगी ने कहा. ''मुझे लगता है हमें मुश्किल से ही गर्मी की कोई लंबी छुट्टी या छोटा-मोटा ब्रेक मिल पाता है, जो काफी मायने रखता है। जिंदगी की रफ्तार इतनी बढ़ गई है कि कभी-कभी तो मुझे लगता है कि हमारे पास सांस लेने की भी फुर्सत नहीं है। चाहकर भी हम छुट्टी नहीं ले पाते। गर्मी की लंबी छुट्टियां अब बचपन की बातें बनकर ही रह गई हैं। जब मैं छोटी थी तो दो महीनों की गर्मी की छुट्टी अपनी नानी के घर में बिताया करती थी। हम बहुत मस्ती करते थे और मेरी नानी मां हमारे लिये स्वादिष्ट खाना बनाया करती थीं। अधिकतर लोग लंबी छुट्टियां लेने में हिचकिचाते हैं फिर चाहे शादियों के लिये हो, प्रेगनेंसी के लिये या फिर बीमारी में। सिर्फ ऐक्टर्स ही नहीं बल्कि हर प्रोफेशन से जुड़े लोग इस तनाव को महसूस करते हैं। गर्भवती महिलायें भी अक्सर प्रेगनेंसी के आठवें महीने तक काम करती हैं। मुझे लगता है कि लोगों के लिये अपनी रफ्तार को थोड़ा कम करना और खासतौर से चुनौतीपूर्ण समय में अपने लिये कुछ समय निकालना बेहद जरूरी है। जीवन के तनाव और समस्याओं से खुद को बाहर निकालने और तरोताजा होने के लिये कम से 2-3 दिनों का ब्रेक लेना जरूरी है। ब्रेक जादुई रूप से मुझे तनाव-मुक्त नहीं कर सकता लेकिन दिमाग को थोड़ी शांति तो मिलती ही है। फोन पर उपलब्ध रहने की जरूरत होती है, यहां तक कि ब्रेक के दिनों में भी क्योंकि कभी भी कुछ भी हो सकता है। ब्रेक में मोबाइल फोन से भी ब्रेक लेना शामिल होना चाहिये। मैं मोबाइल का इस्तेमाल कम करने की कोशिश कर रही हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि हम हमेशा अपने फोन से चिपके रहते हैं। हालांकि, फोन पर हमें पॉजिटिव कंटेंट भी मिलते हैं लेकिन निगेटिविटी से भी बच नहीं पाते इसलिये मानसिक शांति के लिये और दिमाग की सकारात्मक स्थिति को बनाये रखने के लिये फोन का इस्तेमाल कम करना जरूरी है।''

पोकेमॉन की नई एनीमेटेड सीरीज

द पोकेमॉन कंपनी का नया एनीमेटेड शो 'पोकेमॉन हॉरिज़ोन्स : द सीरीज' 25 मई से हंगामा टीवी पर दिखाया जाएगा। इन गीतों को जानी-मानी संगीतकार जोड़ी विशाल-शेखर, गायक अरमान मलिक और र्शी सेतिया ने मिलकर तैयार किया है। नए कैरेक्टर्स तो दिखेंगे ही, साथ ही ताजातरीन दिलचस्प कहानी भी है।

इस सीरीज में नजर आएंगे एयरशिप के इंचार्ज कैप्टन पिकाचू। इस के लिए लोकल तड़का बनाए गए है। कंपनी ने भारतीय कलाकारों के साथ हाथ मिलाया। विशाल-शेखर का कहना है- ''जब हमें कंपनी के साथ काम करने के लिए कॉल आया तो हमने ऐसे ट्रैक बनाये, जो मजेदार होने के साथ-साथ जज्बे को बयान करते है। इन गीतों में हमने भारतीय तड़का लगाया है।।'' अरमान ने कहा- ''यह सपने के सच होने के जैसा है, बचपन में मै पोकेमॉन के कार्ड्स इकट्ठा किया करता था और अब हिंदी, तमिल और तेलुगु वर्शन का ओपनिंग ट्रैक गा रहा हूं। हर दिन पोकेमॉन देखना रूटीन का हिस्सा था और अपनी आवाज़ देना मेरे लिए सिर्फ़ सम्मान की बात नही है बल्कि यह सर्कल के पूरा होने जैसा है यानी मै घूमकर फिर से बचपन के उन्ही दिनों में पहुंच गया हूं। नोस्टेल्जिया और एडवेंचर है।'' पहला एपिसोड हंगामा टीवी पर 25 मई को दिखाया जाएगा।

परफेक्ट लाइफ पार्टनर ढूंढने में शामिल सीमा

जीटीवी का आने वाला फिक्शन 'मै हूं साथ तेरे' सिंगल मां जानवी (उल्का गुप्ता) की ज़िंदगी है। यह मां की चुनौति है, जो काम के साथ-साथ घर की जिम्मेदारियां भी संभालती है। उसे सही राह दिखाने के लिए मैचमेकर सीमा तापड़िया है। तापड़िया ने कहा- छोटा बच्चा अपनी सिंगल मां के लिए योग्य पार्टनर की तलाश करता है, यह वाकई अनोखा प्लॉट है, वहीं मैच मेकिंग में मेरा इतने सालों का अनुभव यह तय करने में उसकी मदद करेगा कि आर्यमन उसकी मां के लिए सही चुनाव है या नही।''

भावनाओं और संघर्षों से जूझ रहा अभिषेक

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के आगामी ड्रामा, 'पुकार - दिल से दिल तक' जयपुर की मां और उसकी दो बेटियों के जीवन पर आधारित है। अभिषेक निगम सागर माहेश्वरी की भूमिका में है। अपने पिता के साथ रिश्तों में खटास पड़ने के कारण, उनके नाम और पहचान को पीछे छोड़ते हुए, सागर अपनी अलग पहचान बनाने के सफर पर निकला है। अभिषेक ने कहा, ''मै रोमांचित हूं क्योंकि यह मनोरंजक कहानी है, सागर आत्मविश्वासी और बुद्धिमान है, जो प्यार में यकीन नहीं करता, लेकिन अतीत से उत्पन्न हुई भावनाओं और संघर्षों से जूझ रहा है। वह मज़ाकिया स्वभाव और श्रेष्ठता की भावना से दर्द को छुपाता है लेकिन उस दिखावे के भीतर उसका कमज़ोर है। वह प्यार और जीवन के बारे में अपनी मान्यताओं से जूझते हुए परिवार की विरासत से मुक्त होने की कोशिश कर रहा है।''

मलाइका को हुआ प्यार

एण्डटीवी का कॉमेडी शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में मजेदार और गोल-मटोल दरोगा हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी) है। मलाइका अचानक प्यार का सफर शुरू करने जा रही है। मलाइका की भूमिका सोनल पंवार निभा रही है। मलाइका ने बताया- ''मलाइका को अचानक ही जेके के साथ रोमांस करते हुए देखेंगे। जब कटोरी अम्मा (हिमानी शिवपुरी) अपने प्यारे दोस्त की मौत के बाद किसी का साथ चाहती है। हप्पू को बताती है, वह कहता है कि कटोरी अम्मा की सभी इच्छाएं पूरी होनी चाहिये। पुलिस स्टेशन में योजना बन रही है कि कानपुर के कुख्यात तस्करों को कैसे पकड़ा जाए। यह तस्कर है जेके (प्रणय दीक्षित) और उसका बेटा केके (चयन त्रिवेदी)। केके गिरफ्तार होने और मलाइका को प्रेमजाल में फंसाने की योजना बनाता है, ताकि उसे सारी खबरें मिलती रहें। केके गिरफ्तार हो जाता है और फिर तरह-तरह की चालाकियाँ करते हुए मलाइका को आकर्षित कर लेता है।

पप्पी को बेनकाब करने की योजना

सोनी सब का 'आंगन अपनों का' पारिवारिक ड्रामा है, जो पल्लवी शर्मा (आयुषी खुराना) की कहानी है, पप्पी मेहरा (अश्विन कौशल) की धोखेबाज़ी के कारण अवस्थी परिवार को अपमान सहना पड़ा और जेल जाना पड़ा, राकेश (यश पंडित) ने परिवार को बचाने के लिए कदम उठाया और उन्हें जेल से रिहा कराया।आयुषी ने कहा- ''पल्लवी दृढ़संकल्पित महिला है, जो अन्याय को बर्दाश्त नही करती और परिवार को निर्दोष साबित करने और उनका सम्मान पुनःहासिल करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। पल्लवी को खुद पर अटूट विश्वास है, जिसने उसे अतीत में अनिगनत चुनौतियों से जीतने में मदद की है।''

असल पहचान की खोज

सोनी सब का 'वंशज' युविका महाजन (अंजलि तत्रारी) की कहानी है, जो पारिवारिक व्यवसाय में विरासत का समर्थन करके परंपरागत पारिवारिक डायनेमिक्स पर सवाल उठाते है। अंजलि ने कहा- ''युक्ति संदेह के घेरे में आ गई है क्योंकि नील, डीजे और महाजन परिवार उसकी असल पहचान पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। युविका से प्यार करने वाले, नील को संदेह है कि युक्ति असल में युविका हो सकती है। युक्ति को सभी से निपटना पड़ेगा और अपनी मौजूदा पहचान को लेकर खड़े हो रहे संदेह का सामना करना पड़ेगा।

हुमा ने की 'बाहुबली' की सराहना

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न का कॉमेडी शो 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' में कॉमेडियन्स स्पूफ के रूप में फिल्म 'बाहुबली' को हास्यपूर्ण ट्विस्ट देते हुए पेश किया,राजमाता, कटप्पा, कालकेय और बाहु के रूप में हास्यपूर्ण संवादों की श्रृंखला था! हुमा कहने से खुद को नही रोक सकी- ''यह पावर-पैक परफॉर्मेंस था!'' हेमांगी कवि कहती है-''फिल्म में राजमाता मेरा पसंदीदा किरदार है, इस स्पूफ को तैयार करने के लिए, मैंने फिल्म को कई बार देखा ताकि मज़ेदार तरीके से पेश कर सकें। यह गैग निश्चित हास्य, रचनात्मकता का अनूठा मिश्रण है, हमने फिल्म के प्रति सम्मान अर्पित किया और कॉमिक स्टाइल शामिल है।''

नए खतरों के जाल

कलर्स पर 'डोरी' में छह वर्षीय डोरी है, सोनल वेंगुलेंकर और बाल कलाकार माही भद्रा है। सोनल गंगा प्रसाद (अमर उपाध्याय) की चालाक पत्नी पवित्रा की भूमिका निभाती नज़र आएंगी। वेंगुलेंकर कहती है- ''मै पवित्रा का किरदार निभाऊंगी, बहुत सारा ड्रामा और ट्विस्ट लाती है। इससे मुझे सुधा चंद्रन जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला है।'' भद्रा कहती है- ''डोरी मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि मै कई नई बातें सीख रही हूं।''

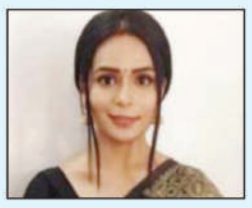

अनंग्शा का सही और गलत का अंतर

1986 में पुणे में घटी वास्तविक घटना पर आधारित, नाटककार अशोक समेल का नाटक 'कुसुम मनोहर लेले' जी थिएटर के टेलीप्ले के रूप में प्रशंसा मिली है। अनंग्शा बिस्वास, जिन्होंने 'मिर्जापुर' और 'होस्टेजेस' जैसे वेब शोज़ में प्रशंसा बटोरी है, मुख्य भूमिका निभा रही है। अभिनेत्री कहती है- ''अशोक सामले के नाटक में काम करना अनोखा था और इसमें जटिल विरोधाभास भी थे। मै कुसुम से बहुत अलग हूँ। उसकी मातृत्व भावना इतनी तीव्र है कि वो सही और गलत के बीच का अंतर भूल जाती है। मासूम लड़की को धोखा देती है और उसका विवाह अपने पति से करवा देती है लेकिन जैसे ही मैने इस भूमिका को देखना शुरू किया तो कुसुम के चरित्र को आंकना मेरे लिए कठिन हो गया । कलाकार के रूप में जब पात्र को बुरा समझने लगते है तो उसके साथ न्याय नहीं कर सकते। यह सहयोगी कला है और किसी को भी अभिनेता के रूप में किसी से आगे नही बढ़ना चाहिए।'' 26 अप्रैल को डिश टीवी रंगमंच एक्टिव, डी2एच रंगमंच एक्टिव और एयरटेल स्पॉटलाइट पर 'कुसुम मनोहर लेले' राजन तम्हाणे द्वारा मंच के लिए निर्देशित इस नाटक में गगन रियार, सविता प्रभुणे, श्वेता बसु प्रसाद, स्नेहा चव्हाण और सुनील पुष्करणा भी है।

समर और यश एक्शन हीरोज बन गए

सोनी सब का 'आंगन अपनों का' जयदेव शर्मा (महेश ठाकुर) और उनकी तीन बेटियों, पल्लवी (आयुषी खुराना), तनवी (अदिति राठौर), और दीपिका (नीता शेट्टी) की कहानी है। जयदेव के दामादों आकाश (समर वरमानी) और राकेश (यश पंडित) को गुंडों से लड़ना पड़ा, जिन्हें धोखेबाज़ पप्पी मेहरा (अश्विनी कौशल) ने भेजा था। वरमानी ने कहा, ''लड़ाई के सीक्वेंस को शूट करना सबसे कठिन है। बहुत अधिक रिहर्सल की आवश्यकता होती है, और दूसरी बात, हम सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। हमें उचित कोरियोग्राफ़ी करनी होती है, समय पर पंच लगाने होते है, और सुरक्षा सुनिश्चित करनी होती है।'' पंडित ने कहा- ''मुझे स्टंट और फाइट सीक्वेंस परफॉर्म करना बेहद रोमांचक लगता है। एक्शन में कुछ ऐसा है जिससे मेरा तालमेल बहुत अच्छे से बैठ जाता है। मै पहले भी एक्शन सीक्वेंस वाली फिल्मों में काम कर चुका हूं, जिसके कारण, विशिष्ट तरीके में पंच मारने या आकाश के जीवन को बचाने के लिए खास तरीके में एंट्री लेने जैसी बारीक बातों पर काम किया। किसी को चोट नहीं आई ।''

फेवरेट प्लेलिस्ट में जगह

अंशुल गर्ग पिछले तीन गानों- गुली माता, यिम्मी यिम्मी और धूप लगदी के साथ, भारतीय और इंटरनेशनल म्यूजिक पेश किया है। इस ट्रैक में श्रेया घोषाल और मोरक्कन गायक साद लैमजारेड की आवाज़ शामिल है, जिसके म्यूजिक वीडियो में अभिनेत्री जेनिफर विंगेट शामिल है। म्यूजिक चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया और ग्लोबल सेंसेशन बनकर उभरा। अंशुल ने यिम्मी यिम्मी के साथ फुट-टैपिंग अंतर्राष्ट्रीय सहयोग किया। उन्होंने इस गाने के लिए श्रेया के साथ फिर से काम किया और फ्रांसीसी गायक टैक भी इसमें शामिल थे। हाल ही में, अंशुल ने धूप लगदी के साथ पहली बार शेहनाज गिल और सनी सिंह की जोड़ी को पेश किया।

हनुमान ने माता सीता की खोज की

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर, श्रीमद् रामायण के सुंदरकांड अध्याय में भगवान हनुमान की बहादुरी, निष्ठा और बुद्धिमत्ता को देखेंगे क्योंकि वह माता सीता को खोजने और राम का संदेश पहुंचाने के महत्वपूर्ण मिशन पर निकले है। हनुमान का किरदार निभाने वाले, निर्भय वाधवा कहते है- ''भगवान राम के प्रति हनुमान की अटूट भक्ति और उनकी सेवा करने हेतु कोई भी कार्य सिद्ध करने की उनकी इच्छा है। लंका पहुंचने के लिए समुद्र पार करके अपनी अपार शक्ति और चपलता दिखाते हुए, रास्ते में विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन राम पर उनका विश्वास दृढ़रहता है और उन्हें मार्ग में आगे बढ़ने की शक्ति देता है।''

मुझे अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं हैं सायंतनी घोष

एक्ट्रेस सायंतनी घोष, जो वर्तमान में शो 'दहेज दासी' में नजर आ रही हैं, ने बताया है कि उन्हें अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं है, वह स्थिरता पसंद करती हैं। वर्ष 2005 में एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस टीवी इंडस्ट्री का हिस्सा बनकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह कमाई का एक नियमित स्रोत भी प्रदान करता है। सायंतनी ने कहा, मुझे अपनी जिंदगी में ज्यादा एक्सपेरिमेंट करना पसंद नहीं है और मैं कुछ स्थिरता चाहती हूं। बीस साल तक सचमुच कड़ी मेहनत करने के बाद, मैं अपनी जिंदगी के इस पड़ाव पर आराम करना पसंद करती हूं। अगर मैं किसी खास शो और भूमिका से खुश हूं, और वह कई साल तक चलता है, तो मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात है।

उन्होंने आगे कहा, डेली सोप का मतलब निश्चित रूप से लगातार काम करना है, लेकिन जीवन के हर दूसरे पहलू की तरह, हर चीज के अपने फायदे और नुकसान होते हैं। बहुत से लोग लगातार काम करने या काम के घंटों की संख्या के बारे में शिकायत करते हैं, लेकिन इसके साथ इसके फायदे भी हैं। यह आमदनी का एक नियमित स्रोत है। यह रेगुलर रोजगार की तरह है, और इस तरह वित्तीय सुरक्षा भी मिलती है। उन्होंने कहा, यह टिकाऊ है, क्योंकि जब किसी अन्य फॉर्मेट की बात आती है, तो आप एक प्रोजेक्ट करते हैं और फिर एक डाउनटाइम होता है। लेकिन जब आप डेली सोप से जुड़े होते हैं, तो यह काफी समय तक चलता है। मुझे लगता है कि यह एक फायदा है।

जिंदगी के उसी मोड़ पर आ पहुंची उल्का

जीटीवी पर प्रसारित हुए शो 'झांसी की रानी' में नन्ही मणिकर्णिका के रोल के लिए मशहूर एक्टर उल्का गुप्ता अब नए शो 'मै हूं साथ तेरे' में 15 साल बाद वापसी की है। यह ग्वालियर में रहने वाली सिंगल मां जानवी का सफर है। गुप्ता कहती है, ''झांसी की रानी का रोल निभाने से लेकर अब जानवी के किरदार में वापसी करने तक, मेरी ज़िंदगी फिर उसी मोड़ पर आ पहुंची है। मै 15 वर्षो के लंबे अंतराल के बाद इस चैनल पर वापसी करके बेहद उत्साहित हूं। जब मै सिर्फ12 साल की थी, तब मैंने जी टीवी पर नन्ही मनु के रूप में अपना पहला लीड रोल निभाया था, जिसे बहुत प्यार मिला था। अब मै इस चैनल पर इंडिपेंडेंट सिंगल मदर जैसा दमदार किरदार निभा रही हूं, जहां से मैंने अपने सफर की शुरुआत की थी। यह वाकई घर वापसी जैसा लगता है।''

बाप-बेटे का उलझा हुआ रिश्ता

जीटीवी का आने वाला शो 'मै हूं साथ तेरे' में अली हसन को खास रोल के लिए चुना गया है। वे हीरो आर्यमन के पिता ब्रिज प्रताप सिंह बुंदेला का रोल निभाएंगे, जो 60 वर्षीय होटल व्यवसायी और सफल बिज़नेसमैन है। दोनों के बीच जिंदगी गुजरी है, उससे ब्रिज के मन में आर्यमन के प्रति खासी नाराजगी है। आर्यमन पिता के बीच दूरियां मिटाना चाहता है लेकिन ब्रिज की बेटी रैना (मानसी श्रीवास्तव) हमेशा उन्हें आर्यमन के खिलाफ करने का कोई ना कोई तरीका ढूंढ निकालती है। अली ने कहा- ''मेरा किरदार ब्रिज, आर्यमन और जानवी की ज़िंदगी में बहुत-से उतार-चढ़ाव लेकर आएगा। यह बाप-बेटे के उलझे हुए रिश्ते के बारे में है, जिसके कई पहलू है। मेरा लुक भी काफी अलग है। मुझे पहली बार लंबे बाल, मैन बन और सफेद दाढ़ी में देखेंगे। मै पूरी मेहनत करने को लेकर उत्साहित हूं।''

बूथ कार्यकर्ता ही पार्टी की असली रीढ़ : राज्यसभा सांसद दर्शना सिंह

प्रखर जौनपुर। जौनपुर लोकसभा के अंतर्गत आने वाली मल्हनी विधानसभा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन यादवेश इंटर कालेज नौपेडवा में जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एव राज्यसभा सांसद दर्शना सिह रही। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की सुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया। उसके उपरांत मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि दर्शना सिंह ने सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है और बूथ अध्यक्ष से पार्टी में आज कई नेता उच्च पद तक पहुंचे हैं। बूथ अध्यक्ष पार्टी की रीढ़ हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो काम कर दिया वो अभी तक असम्भव लगता था। कश्मीर से धारा 370 हटानी हो या अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण हो

ऐसे कई ऐतिहासिक काम नरेंद्र मोदी ने किए हैं। इसीलिए देश की जनता मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है। भाजपा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ने कहा कि विपक्ष कहता है मोदी हटाओ लेकिन उनकी सुनता कौन है। सवा सौ करोड़ देशवासी मोदी का परिवार है। घमंडिया गठबंधन को जनता नकार चुकी है। भाजपा को ऊंचाई पर पहुंचाने में कार्यकताओं का बलिदान मेहनत और समर्पण है। लोकसभा प्रवासी रामचंद्र मिश्र ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत एक सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा है। उप्र सरकार ने आज जो माहौल बनाया है कानून व्यवस्था का, उससे जनता कह रही है की रामराज्य आ गया है। विपक्ष का अस्तित्व खतरे में है। हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना है।

लोकसभा प्रभारी अमरनाथ यादव ने कहा कि हर मंडल आपस में कम्पटीशन करे की इस बार वे एक दूसरे से अच्छा प्रदर्शन करेंगे। मल्हनी विधानसभा में अधिकाधिक मतदान हो, इसके लिए पार्टी कार्यकताओं को जी जान से मेहनत करनी होगी। एक एक वोट कीमती है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि भाजपा को कार्यकर्ता चलाता है और कार्यकर्ता अपनी मेहनत से कहीं भी पहुंच सकता है। अब तक जो भी अभियान कार्यक्रम पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा दिए गए कार्यकताओं ने अथक मेहनत करते हुए उसको सफल बनाया। मल्हनी विधानसभा इस बार भी ऐतिहासिक प्रदर्शन करेगी। कोई भी घर न छूटे वोटर पर्ची हर घर तक पहुंचनी चाहिए। भाजपा के अंदर कार्यकर्ता ही सबसे मजबूत कड़ी है। सांसद, विधायक कार्यकर्ता ही बनाते हैं। केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को लेकर मतदाताओं के घर तक पहुंचना होगा। पिछले लोकसभा चुनाव में उम्दा प्रदर्शन किया था। इस बार उससे अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी उम्मीद है। पांचों मंडल के कार्यकर्ता अथाह परिश्रम कर रहे हैं। मीडिया प्रभारी आमोद सिंह ने बताया कि सम्मेलन में सम्मेलन में बूथ अध्यक्षों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। बूथ अध्यक्षों ने भी इस बार 400 पार का संकल्प लिया। संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने किया। उक्त अवसर पर सुधाकर उपाध्याय मनोज सिंह पाणिनी सिंह मनोरमा मौर्य रागिनी सिंह राजीव सिंह मल्हनी विधानसभा के प्रभारी एव संयोजक, सभी पांचो मंडल अध्यक्ष, मंडल प्रभारी एव पांचो मंडल के सभी बूथ अध्यक्ष उपस्थित रहे।

महाराणा प्रताप की मूर्ति के अपमान के लिए माफी मांगे अखिलेश यादव : राजकुमार सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। मैनपुरी में समाजवादी पार्टी के मनबढ़ अराजक कार्यकताओं द्वारा महाराणा प्रताप के मूर्ति का अपमान एवं अनादर करने पर देशभर के क्षत्रियों में आक्रोश व्याप्त है। क्षत्रिय महासभा युवा गाजीपुर के जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने कहा कि मैनपुरी में समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव के रोड शो के बाद दर्जनों सपाई सदर तहसील स्थित भारतीय इतिहास के अमर नायक महाराणा प्रताप के विशालकाय मूर्ति पर चढ़ गए। सपा के गुंडों ने न केवल महाराणा के मूर्ति पर पैर रखा बल्कि उनके विश्वविख्यात भाले में समाजवादी पार्टी का झंडा टांग दिया। सैकडों की संख्या में महाराणा की मूर्ति के पास पहुचे सपाइयों ने क्षत्रिय समुदाय के भावनाओं को आहत किया है। देश के सभी महापुरुष हमारे गौरवशाली इतिहास के अमूल्य धरोहर है जिन्हें हर वर्ग जाति धर्म और संप्रदाय के लोगों को सम्मान देना चाहिए। महाराणा के इस सार्वजनिक अपमान के विरोध में क्षत्रिय महासभा युवा गाजीपुर जोरदार विरोध दर्ज कराते हुए सभी गुंडों को अविलंब गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग करती है। इन सपाई अराजक तत्वों को सबक सिखाने के लिए क्षत्रिय समाज जिला मुख्यालय पर अखिलेश यादव के पुतले को अपमानित कर फूंकने का काम करेगा। राजकुमार सिंह ने कहा कि राजनीतिक रूप से हासिये पर जा रही समाजवादी पार्टी इस प्रकार के समाज विरोधी कार्यों से खुद को चुनाव जीतने का ख्वाब देख रही है। पार्टी कार्यकताओं के इस कुकृत्य पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को सार्वजनिक मंच से माफी मांगनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

अवैध तमंचा व कारतूस के साथ अभियुक्त हुआ गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना नोनहरा पुलिस द्वारा 1 अवैध तमंचा 315 बोर व 1 अवैध जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत आज दिनांक 05.05.2024 को मुखबीर खास की सूचना पर थानाध्यक्ष कमलेश कुमार मय हमराह पारा चट्टी से आगे हरिजन बस्ती तिराहे के पास से अभियुक्त जियाउद्दीन कुरैशी पुत्र आजम कुरैशी निवासी ग्राम नोनहरा थाना नोनहरा जनपद गाजीपुर उम्र करीब 31 वर्ष को 1 अदद अवैध तमंचा 315 बोर व एक अदद अवैध जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ समय करीब 05.15 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरूद्ध थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष कमलेश कुमार मय हमराह शामिल थे।

अज्ञात चोर ने की टूल्लु पंप चोरी युवक ने दी तहरीर

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज थाना क्षेत्र बृजमनगंज के ग्राम सभा महुलानी टोला ओलीनगर निवासी ने बताया कि शनिवार की रात में दो हार्सपावर का टुल्लू पंप चोरी हो गया। उसने बताया कि खेत में पानी चलाने के लिए गांव से सटे पोखरे के पास लगाया था आज सुबह जब पानी चलाने पहुंचे तो देखा कि पानी का मोटर नही है। उन्होंने ग्राम प्रधान महेश शर्मा को भी सूचना दी तथा बृजमनगंज पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोर के विरुद्ध चोरी की घटना से अवगत कराया। बताते चलें कि काफी दिनों बाद फुलमनहा ग्राम सभा में चोरी की घटना हुई इसके पहले कई बार चोरो ने उत्पात मचाया था। इस संबंध थानाध्यक्ष श्याम सुंदर तिवारी ने कहा कि मामला संज्ञान में आया है अज्ञात चोर के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी विवाद को लेकर दो सगे भाइयों के परिवारों के बीच हुई मारपीट, क्रॉस केस दर्ज

प्रखर गोरखपुर। हरपुर बुदहट थाना अंतर्गत गठुआखोर गांव में जमीन विवाद के कारण दो सगे भाइयों के परिवारों के बीच जमकर मारपीट हुई। जिसमे एक पक्ष से दो और दूसरे पक्ष से तीन घायल हो गए। हरपुर बुदहट पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर रविवार को मारपीट का क्रॉस मुकदमा दर्ज कर लिया है। बताते चले कि गठुआखोर निवासी बनारसी मौर्या और बजरंगी मौर्या पुत्रगण स्व.रधई दोनों सगे भाई है। दोनों में जमीन को लेकर आपसी विवाद है, बीते शनिवार को उसी विवादित जमीन को लेकर दोनों भाई के परिवार वाले आपस में भीड़ गए और जमकर लाठी डंडे चले जिसमे एक पक्ष से बनारसी मौर्या और उनके लड़के इंद्रेश घायल हो गए, पुलिस ने बनारसी मौर्या की तहरीर पर रविवार को उनके भाई बजरंगी मौर्या और पुष्पा देवी पर मारपीट का मुकदमा दर्ज किया। तो वही दूसरे पक्ष से मारपीट में बजरंगी मौर्या, उनके लड़के अनीश मोर्या, पत्नी पुष्पा देवी बुरी तरह घायल हो गईं, पुलिस ने बजरंगी मोर्या की तहरीर पर उनके भाई बनारसी, इंद्रेश, और पानमती पर मारपीट का केस दर्ज किया है।

पाक्सो एक्ट में वांछित चल रहे 25000 के इनामिया अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना बिरनों पुलिस द्वारा मु0अ0स0 19/22 धारा 363/366/376 भादवि व 5L/6 पाक्सो एक्ट में वांछित चल रहे 25000 का इनामिया अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 19/22 धारा 363/366/376 भा0द0वि0 व 5L/6 पाक्सो एक्ट में फरार चल रहे अभियुक्त अमित पाल उर्फ मंजीत पाल पुत्र रामकेर पाल निवासी ग्राम मैहर चकदाउद थाना बिरनों गाजीपुर के विरूध्द मा0 न्यायालय के आदेश के क्रम में धारा 82 व 83 द0प्र0स0 की कार्यवाही अमल में लायी गयी। लेकिन अभियुक्त न तो गिरफ्तार हुआ न ही मा0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत हुआ। तत्पश्चात अपहता की बरामदगी व अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा 25000 का इनामिया घोषित किया गया। दिनांक 04.05.2024 को थानाध्यक्ष बिरनों मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर विश्वेशरगंज पुल से अभियुक्त अमित पाल उर्फ मंजीत पाल पुत्र रामकेर पाल निवासी ग्राम मैहर चकदाउद थाना बिरनों गाजीपुर को अपहृता/पीड़िता के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही हैं। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में थानाध्यक्ष अशोक कुमार मिश्र मय हमराह शामिल थे।

संगठन की मासिक बैठक में आरटीई से सम्बन्धित समस्याओं पर हुई चर्चा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला गाजीपुर में सूचना का अधिकार कार्यकर्ता संगठन की मासिक बैठक जिला संयुक्त सचिव अधिवक्ता राघवेंद्र साहू के निवास पर संपन्न हुई। बैठक में जिला अध्यक्ष जितेन्द्र यादव, उपाध्यक्ष घनश्याम पांडे, जावेद अहमद, डॉ. रमेश यादव, उपेन्द्र यादव और रोहित सिंह बैठक में उपस्थित रहे। संचालन जिला सचिव अंजनी कुमार सिंह ने किया। बैठक में शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत सभी प्राइवेट विद्यालयों में 25% गरीब बच्चों के एडमिशन व उनसे संबंधित समस्याओं एवं जमीनी स्तर पर किस तरह लागू कराया जाए इस पर विस्तृत चर्चा की गई।

गर्भवती महिलाओं की जांच के प्रति उदासीनता खतरनाक : डा. सुरभि राय

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गर्भवती महिलाओं में जांच को लेकर उदासीनता है। इसमें उन महिलाओं का कोई दोष नहीं है। दोष उन चिकित्सकों का है जिनके संपर्क में गर्भवती महिलाएं आतीं हैं और इसके बाद भी वह नितांत जरूरी जांच नहीं कराते। रविवार को बैजलपुर के रायल रिसोर्ट में मित्रसेन प्रधान मेमोरियल सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जागरूकता एवं चिकित्सा शिविर में महिलाओं का इलाज करने के.बाद उक्त बातें स्त्री, प्रसूति एवं बांझपन रोग विशेषज्ञ डा. सुरभि राय ने कहीं। उन्होंने कहा कि गर्भ धारण करने के बाद कुछ जांच नितांत आवश्यक होती हैं। यह कराना चाहिए और डाक्टर के नियमित संपर्क में रहना चाहिए ऐसा करने से प्रसव के दौरान असुविधा नहीं होती

है। शिविर के दूसरे चिकित्सक वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. शिवम राय ने कहा कि जीवनशैली में परिवर्तन से हड्डी संबंधी परेशानियां बढ़ी हैं। घुटना, कमर दर्द से बड़ी आबादी पीड़ित है।

चिकित्सक की सलाह, जीवनशैली में सुधार और व्यायाम से कमर, घुटने और गर्दन की तकलीफ को कम किया जा सकता है। शिविर में सैकड़ों मरीजों का इलाज कर दवाओं का मुफ्त वितरण किया गया। आयोजक दुर्गेश राय बबलू एवं ट्रस्ट के सचिव इंद्रासन राय ने मरीजों, चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ के प्रति आभार ज्ञापित किया। इस मौके पर राकेश राय, अखिलेश राय, संजय कुमार सुमन, अविनाश प्रधान, कमल कुमार राय, सुनील कुमार राय, आभा राय, कांति गिरि, अनीता राय आदि ने सक्रिय सहयोग किया।

रामलीला में धनुष यज्ञ का हुआ मनमोहन मंचन

प्रखर महराजगंज। फरेंदा क्षेत्र के कम्हरिया में आयोजित रुद्र महायज्ञ में शनिवार की रात रामलीला में कलाकारों ने धनुष यज्ञ की लीला का मनमोहक मंचन किया। रामलीला में दिनेश गिरी के नेतृत्व में कलाकार मनमोहन प्रस्तुति कर रहे हैं। रामलीला में कलाकारों ने दिखाया कि राजा जनक की पुत्री सीता से विवाह करने के लिए प्रभु राम को शिव के धनुष को तोड़ना पड़ा। धनुष तोड़ते ही सीता ने प्रभु के गले वर माला डाल दिया। इस पर आसमान से देवताओं ने पुष्प वर्षा की, मंगल गीत गाए गए। इस दृश्य को देखकर श्रद्धालु विभोर हो उठे। स्वयंवर में एक से एक बलशाली, वीर योद्धा आए लेकिन धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाना तो दूर कोई शिव धनुष को उठा तक नहीं पाया। यह देखकर राजा जनक बोले कि क्या पृथ्वी वीरों से खाली है। तब गुरु विश्वामित्र के साथ गए श्रीराम ने गुरु की आज्ञा पर शिव धनुष धनुष पर पड़ी तो क्रोधित हो गए। इससे पूर्व रामलीला का उद्घाटन भाजपा नेता व पूर्व नगर अध्यक्ष राजेश जायसवाल, विनोद चौधरी,

खंडित कर दिया। सीता ने श्रीराम के गले में वरमाला डाला तो पूरा पंडाल श्री राम के जयघोष से गूंज उठा। ऋषि परशुराम भी आशीर्वाद देने पहुंचे लेकिन उनकी नजर टूटे साधुसरण, मुकेश मिश्रा ने फीता काटकर किया। इस दौरान सुनील, जसवंत पांडेय, मोनू, टुनटुन, भूती, अष्टभुजग, योगेंद्र, विनोद बिरेन्द्र, अजय, राजन, मौजूद रहे।

डीआईओएस कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएं उच्चाधिकारी : जिलाध्यक्ष शिवकुमार सिंह

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जिला इकाई की बैठक रविवार को अष्ट शहीद इंटर कॉलेज मुहम्मदाबाद में हुई। जिसमें संगठन से जुड़े मुद्दों पर गहनता से चर्चा की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष शिवकुमार सिंह सहित अन्य क्षेत्रों से शिक्षक उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य जनपद संगठन में चुनाव के बाद उत्पन्न हुए गतिरोध को दूर करना था। बैठक प्रातः नौ बजे से प्रारंभ हो गई। जो तीन बजे तक चली। बैठक के दौरान चौधरी दिनेश चंद्र राय ने कहा कि डीआईओएस कार्यालय में लंबित मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। डीआईओएस दफ्तर पर तैनात कर्मचारी बिना सुविधा शुल्क के किसी काम को पूरा नहीं कर रहे हैं। दफ्तर भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया है। चेतावनी दी कि यदि शिक्षकों की मांगे पूरी नहीं की गईं तो चुनाव बाद आंदोलन और तेज किया जाएगा। जिलाध्यक्ष शिवकुमार सिंह ने कहा कि शिक्षकों की मांगों

को पूरा करने के बजाय लटकाया जा रहा। कार्यालय में भ्रष्टाचार का बोलबाला है। समस्याओं के प्रति विभागीय अधिकारी संवेदनहीन हैं। उन्होंने चेताया कि यदि समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध नहीं हुआ तो संघ सड़क पर उतरने को बाध्य होगा। जिस बैठक में जनपद संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी, जिन्हें दूरभाष के माध्यम से सूचित किया गया था। बैठक में सहभाग नहीं किए। जिससे शिक्षकों में आक्रोश था। बैठक में शिवशंकर गिरी, ओमप्रकाश राय, विजय शंकर राय, विजय श्रीवास्तव, ईसार अहमद, अशोक राय, मनोज सिंह, उमेश कुमार राय, कुंवर अविनाश गौतम, अभिषेक राय, प्रदीप कुमार वैश्य, संदीप यादव, लक्ष्मण केशरी, प्रमोद राय, अनिल दुबे, बालेश्वर राव, मानपति यादव, विनोद राय, जयप्रकाश राय, शनि कुमार, बलदाऊ जी सिंह, अमित कुमार, राघवेंद्र सिंह, पवन कुमार राय, अशोक कुमार, दीपक खरवार, रत्नेश तिवारी, अंकित पांडेय, हरेराम पांडेय, राजकुमार, शंभू, निमिष राय आदि मौजूद रहे।

डाक विभाग डाक बाँटने के साथ, मतदान के लिए भी करेगा प्रेरित : पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। डाकिया डाक लाया, डाकिया बैंक लाया और अब डाकिया देश में लोकतंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए लोगों को मतदान के लिए भी प्रेरित करेगा। भारतीय चुनाव आयोग के स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करने का बीड़ा अब डाक विभाग ने भी उठाया है। वाराणसी परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव के निर्देश पर गाजीपुर जनपद के 381 डाकघरों सहित परिक्षेत्र के अधीन कुल 1729 डाकघरों के माध्यम से यह वृहद् अभियान चलाया जायेगा। पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने लोगों से लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। एक तरफ डाकघरों के माध्यम से बँटने वाली डाक पर 'चुनाव का पर्व, देश का गर्व' और मतदान की मुहर लगाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है, वहीं डाकिया भी डाक वितरण के दौरान लोगों से

अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील करेंगे। इसके साथ ही डाकघरों में स्पीड पोस्ट व रजिस्ट्री बुकिंग, आईपीपीबी और बचत खाता खुलवाने, आधार नामांकन व अपडेशन इत्यादि तमाम कार्यों के लिए आने वाले लोगों को भी डाककर्मी अपना वोट देने के लिए प्रेरित करेंगे। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि लाखों लोगों के घरों तक पहुंचने वाली चिट्ठियों के माध्यम से मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करना है। खास कर बुजुर्ग, युवा, महिला और फर्स्ट वोटर्स के साथ-साथ दिव्यांग मतदाताओं तक हर हालत में जागरूकता संदेश पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। गाजीपुर मंडल के अधीक्षक डाकघर पी.के. पाठक ने कहा कि पोस्ट ऑफिस में दैनिक रूप से बड़ी संख्या में आम जनता अपने कार्यों के लिए पहुंचती है। इस लिहाज से पोस्ट ऑफिस मतदाता जागरूकता के लिए भी उचित स्थान है। उन्होंने डाक विभाग के समस्त कर्मियों को डोर-टू-डोर मतदाता जागरूकता अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का अनुरोध किया।

टोटो चालकों की मांग को लेकर अखिल भारतीय टोटो यूनियन के अध्यक्ष प्रवीण काशी वाराणसी में 13 मई को करेंगे आमरण अनशन

प्रखर वाराणसी। अखिल भारतीय टोटो युनियन के अध्यक्ष प्रवीण काशी ने 5 मई रविवार को चौकाघाट स्थित एक आवास पर पत्रकार वार्ता के दौरान मिडिया से कहा की हम लोग आगामी 13 मई 2024 को टोटो चालकों की मांग को लेकर वाराणसी में शास्त्री घाट करेंगे आमरण अनशन वहीं बताया की हमारी मांगो को जिला प्रशासन नहीं मान रही है सिर्फ हमें आश्वासन ही मिल रहा है जिससे हमारे टोटो चालकों के साथ हो रही समस्याओं का निदान नहीं हो पा रहा है जिससे मजबूर होकर हमलोगों को आमरण अनसन पर बैठने को मजबूर है। पत्रकार वार्ता में अखिल भारतीय टोटो यूनियन के अध्यक्ष प्रवीण काशी ने तीन मांग को लेकर आमरण अनशन की बात कहीं पहली मांग यातायात पुलिस और नगर निगम के उत्पीड़न और अवैध वसूली से मुक्ति जब तक पर्याप्त संख्या में पूरे शहर में स्टैंड नहीं बन जाए तब तक कोई चालान नहीं काटा जाए, दूसरी मांग नगर निगम द्वारा निर्धारित टोटो और आटो स्टैंड कागज की बजाय राज्य सरकार के मानक स्तर पर जमीन पर बनें नगर निगम की पर्ची काटने वाले कर्मचारी वर्दी मे हो और हाथ

से दी गई पर्ची की जगह पर डिजिटल पर्ची काटी जाए, तीसरी मांग - पब्लिक चार्जिंग स्टेशन पर ई-रिक्शा चार्जिंग की एक युनिट बिजली की दर सात रुपए सत्तर पैसे तय है पर नगर निगम की ओर से इसकी व्यवस्था नहीं होने पर टोटो चालकों से प्राइवेट टोटो चार्जिंग स्टेशन वाले मनमाना पैसा वसूल कर रहे` सभी टोटो के लिए पब्लिक टोटो पार्किंग और चार्जिंग स्टेशन की तुरंत व्यवस्था हो यदि यह मांग नहीं पूरी की गई तो अखिल भारतीय टोटो यूनियन के अध्यक्ष प्रवीण काशी शास्त्री घाट पर आने वाले 13 मई को आमरण अनशन को मजबूर होंगे प्रवीण काशी ने बताया कि बनारस में 25 हजार टोटो चालक हैं जो अपना जीवन यापन टोटो के माध्यम से चला रहे। प्रवीण काशी ने बताया कि एक मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस मे ई -रिक्शा का शुभारंभ किया था इसके माध्यम से प्रधानमंत्री ने नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए व पर्यावरण की रक्षा के लिए इसकी शुरूआत की लेकिन आज हालात इसके बिल्कुल उलट है वाराणसी यातायात पुलिस और नगर निगम टोटो वालों को सहुलियत देने की जगह उनका शोषण कर रहे` हर महीने लाखों रुपए अवैध वसूली बनारस के टोटो और आटो चालकों से किया जा रहा गरीब टोटो इस गर्मी में चालक बहुत मुश्किल से 500 - 700 रुपये कमा पाता है इस पैसे मे उनको हर रोज बैटरी चार्जिंग, टोटो का किराया, टोटो की किस्त, अपने बच्चों की फीस, बुढ़े मां बाप का इलाज मंहगे सिलेंडर, तेल, अनाज सबकी व्यवस्था करनी पड़ती है टोटो चालक पर्यावरण का दूत बन कर आने वाली पीढ़ी के लिए प्रदूषण मुक्त वातावरण बनाने का काम करता है। इस पत्रकार वार्ता में अखिल भारतीय टोटो यूनियन के अध्यक्ष प्रवीण काशी, महासचिव जुबेर खान बागी और बनारस के जिलाध्यक्ष बबलू भाई भी उपस्थित रहे।

लाखों की लागत से तैयार सरकारी भवन बना भूसे का भण्डार

प्रखर पूर्वांचल महराजगंज ब्यूरो। जनपद महराजगंज विकास खण्ड बृजमनगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत धरैचा में बना हैं अन्नपूर्णा भवन व खेल मैदान। जिम्मेदार बने हैं मौन। ग्राम प्रधान, ग्राम सचिव व ग्राम कोटेदार के द्वारा सरकारी धन से लाखों की लागत का अन्नपूर्णा भवन बना जहाँ सरकारी गल्ले की भंडार न हो कर वहां भूसा का भंडार बना हुआ है तथा खेल के मैदान में सब्जी उगाई जा रही हैं जहाँ बच्चो के खेल का मैदान हैं। गांव के लोगो से बात करने पर पता चला कि जब से गोदाम बना है तब से गलत इस्तेमाल हो रहा है मीडिया ने जब ग्राम सचिव से बात किया तब सचिव ने बताया कि अन्नपूर्णा गोदाम अभी निमार्णाधीन है जब कि गोदाम पूर्ण रूप से बनकर तैयार है। ऐसे कई ग्राम सभा में सरकारी की योजनाओ को लगा रहे पलीता जिम्मेदार मौन। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के माध्यम से कुछ लोग अपने फायदे के लिए सरकारी धन का दुरुपयोग करते हैं। संबंधित अधिकारी घटना को संज्ञान में लेकर जांच करें तथा उचित कार्यवाही करें।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं